

विचार बिन्दु

उत्साह से बढ़कर कोई दूसरा बल नहीं है, उत्साही मनुष्य के लिए संसार में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। -वाल्मीकि

भारत अपना ग्लोबल जीपीएस सिस्टम बनाने की राह पर

स्मा

एंटोनो मैप से लेकर सटीक हथियारों तक, सैटेलाइट नेविगेशन आज, जिंदगी और युद्ध दोनों का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। जिस किसी ने अपने स्मार्टफोन मैप का कभी इस्तेमाल किया है या फिर ओला या ऊबर टैक्सी बुक की है तो इसका मतलब है उसने जीपीएस याने सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया है। बहुत लोग नहीं जानते कि जीपीएस, यानी ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम, अमेरिका का एक विराट नेटवर्क है। अमेरिका के जीपीएस, जिसे ग्लोबल नेविगेशन सिस्टम कहते हैं, जैसे और भी सिस्टम अभी दुनिया में उपलब्ध हैं, मगर इस व्यवस्था में अमेरिका का ही बोल-बाला है। अब भारत भी अपना झुंड का जीपीएस सिस्टम विकसित कर रहा है। यह सिस्टम सैटेलाइटों के समूह के साथ काम करते हैं। इस वक्त चार वैश्विक सैटेलाइट सिस्टम पृथ्वी के चारों ओर घूम रहे हैं। ये हवायें जहाज, नाविक जहाज, सड़क के वाहनों, और यहां तक कि होटल खोज रहे पर्यटकों को तथा शहरों में टैक्सी चालकों को भी रास्ता दिखाते हैं। साथ ही ये युद्ध में भी अहम भूमिका निभाते हैं और एक दूसरे पर सटीक वार करते हैं। सैटेलाइट नेविगेशन वास्तव में समय का खेल है। यह वैश्विक सैटेलाइट सिस्टम बहुत सटीक परमाणु घड़ियां होती हैं। पृथ्वी के चक्कर लगा रहे सैटेलाइट्स हर पल, अपनी बिल्कुल सटीक स्थिति और सिग्नल भेजने के सही समय को ब्रॉडकास्ट करते रहते हैं। धरती पर इस्तेमाल होने वाले जीपीएस जैसे डिवाइस, इन सिग्नलों को पकड़ कर अपनी सही लोकेशन पहचान पाते हैं। वैश्विक सैटेलाइट सिस्टम चार सैटेलाइटों के सिग्नल से अक्षांश, देशांतर और ऊंचाई का डेटा निरंतर लेता रहता है। इस दौरान किसी भी सैटेलाइट के चार से समयांतर को भी वह दुरुस्त करता रहता है। यह तकनीक बहुत तेज और सटीक है। लेकिन इसमें एक कमजोरी भी छिपी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि ग्लोबल नेविगेशन सिस्टम सैटेलाइट सिस्टम के सिग्नल काफी नाजुक होते हैं। ये सिग्नल इतने कमजोर होते हैं कि इनके पास अगर रेडियो तरंगों में, चाहे गलती से या जानबूझकर कुछ शोर आ जाये, तो इनके रिसेप्शन में दखल आ सकता है। चुनौती यह है कि इसे समझा जाय और जोखिम कम करने के लिए कदम उठाये जाय और यह सिस्टम हमें सुविधाएं देता रहे।

दुनिया में इस समय चार वैश्विक नेविगेशन शक्तियां हैं वे हैं अमेरिका, रूस, यूरोप और चीन। सबसे पहले 1970 के दशक में दो ग्लोबल नेविगेशन सिस्टम अमेरिका और सोवियत यूनियन ने विकसित किए थे। अमेरिका ने 'जीपीएस' बनाया, जो पूरी दुनिया के क्षेत्र को कवर करने वाला पहला सैटेलाइट नेविगेशन नेटवर्क बना। आज सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला सिस्टम भी यही है। लगभग उसी समय सोवियत रूस ने अपना 'ग्लोनास' सिस्टम बनाया। उसके बाद 2000 के दशक की शुरुआत में यूरोपीय संघ ने यह सोचकर कि जीपीएस पर निर्भर रहना यूरोप को अमेरिका की रणनीतिक तकनीक पर निर्भर बना देगा, तो उन्होंने अलग से अपना 'गैलिलियो' सिस्टम बनाया शुरू किया। चीन का 'बाइडू' सिस्टम इन चारों में सबसे नया है। यूरोप की तरह, चीन भी अमेरिका के जीपीएस पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता था। ये चारों सिस्टम लगभग एक जैसे हैं, और नागरिक और सैन्य दोनों कामों के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। 'जीपीएस', 'ग्लोनास' और 'गैलिलियो' लगभग एक जैसी कक्षाओं पर लगभग 19,000 से 23,000 किलोमीटर की ऊंचाई पर समान संख्या में सैटेलाइट इस्तेमाल करते हैं। 'बाइडू' अपने सिस्टम में ऊंची कक्षाओं वाली सैटेलाइट्स जोड़ता है जिससे उसे एशिया में स्थानीय कवरेज बेहतर मिले। इनमें से हर एक सिस्टम धरती पर किसी भी जगह संकेत भेज सकता है, चाहे वह कलाई की घड़ी जितनी छोटी डिवाइस ही क्यों न हो।

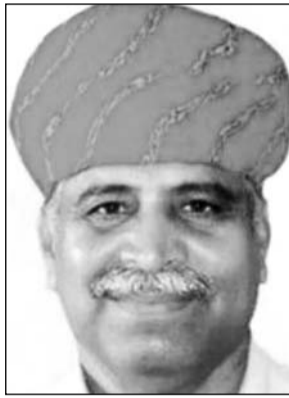
ज्यादातर डिवाइस कई तरह की सैटेलाइट सिस्टम का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह डिवाइस पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए किसी की स्मार्टफोन 'जीपीएस' और 'ग्लोनास' दोनों का इस्तेमाल कर सकती है। जापान और भारत के पास भी ऐसे सिस्टम हैं, लेकिन वे पूरी दुनिया के क्षेत्र को कवर नहीं करते हैं। वे सीमित नेविगेशन देते हैं। जापान का नेविगेशन सिस्टम है 'क्यूरेडोएसएच' जो एशिया ओशनिया क्षेत्र में काम करता है, हालांकि इसका मुख्य फोकस जापान पर ही है। भारत का अपना नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' है। 'नाविक' यानी नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन। यह एक स्वतंत्र नेविगेशन सिस्टम है जिसे भारतीय अंतरिक्ष शोध संस्थान यानी इसरो ने विकसित किया है। नाविक को 2006 में मंजूरी दी गई थी और इसका बजट था 17.4 करोड़ डॉलर रखा गया था। इसे 2011 में तैयार होना था लेकिन 2018 में जाकर इसने काम करना शुरू किया। 'नाविक' में 8 उपग्रह जुड़े हुए हैं जो 1500 किलोमीटर ऊपर से भारत की पूरी जमीन पर नजर रखते हैं। फिलहाल 'नाविक' का सीमित इस्तेमाल हो रहा है। इसे सार्वजनिक गाड़ियों पर निगाह रखने, गहरे समंदर की तरफ जाने वाले मछुआरों की सावधान करने और प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति पर नजर रखने तथा जानकारी देने के लिये इस्तेमाल किया जाता है। ट्रेनों की ट्रैकिंग के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय वैज्ञानिक अब इसे स्मार्टफोन में इस्तेमाल के लिए तैयार कर रहे हैं। दूसरे नेविगेशन सिस्टमों और 'नाविक' में मुख्य फर्क इलाके की निगरानी का है। दूसरी जीपीएस सेवाएं दुनिया के सारे देशों में काम करती हैं और उनके उपग्रह दिन भर में धरती का दो बार चक्कर लगाते हैं। इसके उलट 'नाविक' फिलहाल केवल भारत और उसके आसपास के इलाके पर नजर रखता है।

भारत ने 2021 में सैटेलाइट नेविगेशन नीति का जो प्रस्ताव तैयार किया था उसमें कहा गया है कि सरकार नेविगेशन सिस्टम के कवरेज को विस्तार देने पर काम करेगी जिससे कि इसे क्षेत्रीय से वैश्विक बनाया जा सके। इसके पीछे 'नाविक' के सिग्नल को दुनिया भर में मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले साल अनास्त में भारत सरकार ने कहा कि 'नाविक', 'सटीक' स्थिति (पोजीशन एक्ज्यूरेसी) बताने के मामले में अमेरिका के जीपीएस सिस्टम जितना ही अच्छा बन जायें। 'सटीक' का कहना है कि 'नाविक' को विदेशी उपग्रहों और नेविगेशन सर्विस को छोड़कर पर निर्भरता से मुक्त करने किये बनाया गया है। खासतौर से 'रणनीतिक क्षेत्रों' में 'जीपीएस' और 'ग्लोनास' जैसे सिस्टम पर हमेशा धरोसा नहीं किया जा सकता क्योंकि ये अपने देशों की सुरक्षा एजेंसियों के हाथों ऑपरेट किये जाते हैं। ऐसे में यह सुनिश्चित है कि नागरिक सेवाओं को दायम दर्जे में रखा जाये या फिर कभी सेवा से वंचित कर दिया जाये। केंद्र सरकार का कहना है, 'नाविक एक घरेलू सिस्टम है जो भारत के नियंत्रण में है। इसमें किसी खास स्थिति में यह सेवा नहीं देना या फिर वापस लेने का जोखिम नहीं है। भारत अपने मंत्रालयों को भी 'नाविक' के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित कर रहा है। सरकार 5जी मोबाइल सेटों में नाविक अनिवार्य करने की योजना बना रही है। साथ ही अलग-अलग उद्योगों में इसके इस्तेमाल में आने वाली समस्याओं के समाधान की भी कोशिश हो रही है।

दुनिया भर की सेनाएं भी अब सामग्री प्रबंधन, नक्शे बनाने और सैन्य कार्रवाई की योजना तैयार करने के लिए सैटेलाइट नेविगेशन पर निर्भर हैं। इनकी मदद से क्रूज मिसाइल और तथाकथित 'स्मार्ट' बम जैसे हथियारों को गाइड किया जा सकता है। ड्रोन चलाने के लिए भी इन्हें इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसी दोहरे इस्तेमाल के कारण सैटेलाइट खुद एक निशाना बन जाते हैं। यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस और यूक्रेन ने सिग्नल 'जैमिंग' जैसी इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक इस्तेमाल की। जैमिंग का मतलब है सिग्नल में दखल डालकर उसे बिगाड़ देना, और 'स्पूफिंग' का मतलब है जमीन पर जीपीएस आधारित सिस्टम को धोखा देना। स्पूफिंग करना जैमिंग से कटित है, लेकिन इससे दुरमन को गुमराह किया जा सकता है। नेविगेशन सिस्टम यह भी दिखा सकता है कि कोई यान 400 नॉट्स की स्पीड से दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ रहा है, जबकि असल में वह बाइपैर के बाहर 1000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से कार चला रहा होता है। इस तरह यह तकनीक किसी क्षेत्र से गुजर रहे जहाजों के को भी अपनी लोकेशन छिपाने की भी मदद कर सकती है। वर्तमान में अमेरिका ईरान युद्ध में इस तकनीक का उपयोग होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते जहाजों में अत्यंत बारीक वृत्तियां डालने के लिए भी किया गया है, जिससे वह जहाज गलती से किसी और देश के जलक्षेत्र में घुस जाए, और वह देश उसे रोक कर अवैध घुसपैठ के आरोप में उस पर कब्जा कर ले। अमेरिका की रिसिलिएंट नेविगेशन एंड टाइमिंग फाउंडेशन के अध्यक्ष का कहना है कि यह समस्या यूरोप और अमेरिका के लिए रूस और चीन से भी बड़ी है, क्योंकि रूस और चीन के पास ग्लोबल नेविगेशन सिस्टम के साथ ही अपने घरेलू बैंकअप सिस्टम भी हैं। पश्चिम के पास ये नहीं हैं। एक अन्य विशेषज्ञ का मानना है कि सबसे परेशान करने वाली बात यह है कि ऐसी कोई तकनीक मौजूद नहीं है जो ग्लोबल नेविगेशन सिस्टम सैटेलाइट सिस्टम संबंधी दिक्कतों को पूरी तरह हल कर दे।

ग्लोबल नेविगेशन सिस्टम के विकल्प बनाने की भी कोशिशें हुई हैं, लेकिन अभी युद्ध में, सबसे कारगर और तेज उपाय, जैमर से उसे नष्ट कर देना ही है। ऐसे में भारत का अपना नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' बनाना और उसे आगे विकसित करना महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत ने बड़ी प्रगति की है, लेकिन अभी यह विकास के चरण में है। आनेवाले वर्षों में भारतीय सैटेलाइट सही समय पर लॉन्च हो जाते हैं, तो 'नाविक' जीपीएस का एक मजबूत विकल्प बन सकता है।

अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा,
(वारिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)



रामपाल जाट

देश के पशुपालन मंत्री राजीव रंजन के अनुसार वर्ष 2023-24 में गायों की संख्या 19.30 करोड़ थी। देश में सरकार द्वारा संचालित एवं पंजीकृत गौशालाओं की संख्या 7,676 है, जिनमें गायों की संख्या लगभग 14 लाख है। विश्व की सबसे बड़ी गौशाला पथमेड़ा है। उसके द्वारा संचालित 15 गौशालाओं में गायों की संख्या लगभग 1,55,000 है। विश्व में सर्वाधिक गायों की संख्या भी भारत में है। वर्तमान में सात व्यक्तियों के लिए एक गाय है जबकि वर्ष 1947 में एक व्यक्ति के लिए औसत चार गाय थी, वर्तमान में सात व्यक्तियों के लिए एक गाय है। महाभारत काल में तो गायों के लिए युद्धों का उल्लेख गौ घन के महत्व को दर्शाता है। जो गाय घर-परिवार एवं खुंटे की शोभा एवं सम्मान थी, वे ही गायें सड़कों पर हैं



प्रो. महेश चंद गुप्ता

दुनिया अब अलग-अलग बिखरे देशों का नक्शा मात्र नहीं रही है। यह एक ऐसा तंत्र बन गई है, जिसमें कहीं भी हलचल होती है तो उसकी तरंगें दुनिया के हर कोने तक पहुंचती हैं। हाल में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच टकराव की स्थिति के बाद पैदा हुए तनाव ने इस सच्चाई को फिर से उजागर कर दिया है। इससे पहले रूस-यूक्रेन युद्ध से भी यह सचमिल चुका है कि जंग किसी एक भूभाग तक सीमित नहीं रहती। उसके असर सीमाओं से परे जाते हैं। इस बात को हम लागू होते देख रहे हैं।

भारत इस अमेरिका-इजरायल-ईरान संघर्ष का हिस्सा नहीं है, लेकिन उसका असर हमारे यहां साफ दिखाई दे रहा है। पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति में अस्थिरता, छोटे उद्योगों का ठप पड़ना, निर्यात पर असर-ये सब संकेत दे रहे हैं कि वैश्विक अस्थिरता का बोझ हम भी ढो रहे हैं। दुनिया इतनी छोटी हो चुकी है कि कई लोग इसकी तुलना कर्म गांव से भी करते हैं। मानना ही होगा कि यह एक ऐसा साझा घर बन चुकी है, जिसकी एक दीवार पर आग लगे तो

तथा निराश्रित पशु के रूप में चिन्हित हो रही हैं। उनसे फसलों की रक्षा के लिए गोपालक किसानों द्वारा ही शासकों से विनती की जाती है। गौ वंश का 'गौधन से निराश्रित पशु' होना विचार के लिए सामयिक एवं प्रासंगिक विषय बन गया है।

भारत में दुधारू गायों में गुजरात की गिर, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश की साहीवाल, पाकिस्तान के आसपास क्षेत्र से लालसिंही, राजस्थान एवं गुजरात की थारपाकर एवं काकरेज, राजस्थान के शुष्क प्रदेशों की राठी, आंध्र प्रदेश की ओगोल, महाराष्ट्र की देवनी, केरल की वेचुर नस्ल की गायें प्रमुख हैं। भारतीय कृषि में बैल सबसे बड़ा ऊर्जा का स्रोत रहा है। इसी कारण गाय जब भी बछड़ा देती थी तो परिवार में दीपावली जैसा उत्सव अनुभव किया जाता था, बछड़ी देने पर दीपावली जैसी प्रसन्नता परिवार में दिखाई नहीं देती थी। दूसरी ओर भारतीय कृषि में परस्पर पूरकता विद्यमान थी।

खेती से बचने वाला चारा, गोवंश के लिए उपयोग में आता था और गोवंश से बचने वाला गोबर एवं मूत्र खेद का उपजाऊपन बढ़ाने के लिए खाद के रूप में काम आता था। इस प्रणाली में परस्परवास्तविकता भी थी। कृषि के मशीनीकरण एवं रासायनिकरण से जो चारा खेती से बचता है, वह बलाया जाता है, उससे वायु प्रदूषित होती है, जो गोवंश से बचता है, वह गोबर में मूत्र ट्रेक्टर में उपयोग नहीं हो पाता है। इसे ईंधन यानि गन्ने से समझा जा सकता है। इसके तीन भाग होते हैं, जिसमें निचला जड़ भाग

बीज के रूप में, मध्य भाग तना रस के रूप में एवं ऊपरी भाग पतियां चारे के रूप में उपयोग में आती हैं। प्रकृति की यह अद्भुत देन भारत की वैज्ञानिक कृषि प्रणाली को सहज रूप से समझा देती है।

अन्न से शरीर को शारीरिक एवं मानसिक बल प्राप्त होता है, इसलिए उसे देवस्वरूप माना गया है। अन्न का आशय अमृतान्न है। खेती के रासायनिकरण से यह विषाक्त बन गया। जो शरीर को पीछेकर देने के स्थान पर रोग एवं विभिन्न प्रकार की कैंसर जैसी असह्य बीमारियां दे रहा है। आयु में वृद्धि के स्थान पर अल्पायु में हृदयाघात की घटनाएं बढ़ रही हैं। सरकार जेनेटिकली मॉडिफाइड नपुंसक बीजों को प्रोत्साहित कर खेती का खर्च बढ़ाकर किसानों को अपनी जीवन लीला समयपूर्व समाप्त करने की ओर धकेल रही है। रासायनिकरण एवं मशीनीकरण से खेती का खर्चा बढ़ रहा है, इससे ट्रेक्टर जैसे कृषि यंत्र, उपकरण, खाद, बीज, एवं कीटनाशी बनाने वाली कंपनियों तो मालामाल हो रही हैं किंतु किसान कैलाह हो रहा है। सरकार जेनेटिकली मॉडिफाइड नपुंसक बीजों को प्रोत्साहित कर खेती का खर्च बढ़ाकर किसानों को अपनी जीवन लीला समयपूर्व समाप्त करने की ओर धकेल रही है। रासायनिकरण एवं मशीनीकरण से खेती का खर्चा बढ़ रहा है, इससे ट्रेक्टर जैसे कृषि यंत्र, उपकरण, खाद, बीज, एवं कीटनाशी बनाने वाली कंपनियों तो मालामाल हो रही हैं किंतु किसान कैलाह हो रहा है।

कंपनियां अपने उत्पादों का लागत से कई गुना दाम वसूल करती हैं और किसानों को उनके उत्पादों का अनेकों बार लागत खर्च भी प्राप्त नहीं हो पाता है। किसान विवास और बेचारा बन गया। कृषि में प्रयुक्त होने वाले सामान एवं सामग्री खरीदने जाता है तो सुपान पड़ता है कि 'इस निर्धारित मूल्य पर लेना हो तो लेओ वरना हटो यहां से', वही किसान अपना उत्पाद लेकर बाजार में बेचने जाता है तो उसे सुनना

पड़ता है 'इस दाम पर देना हो तो दो वरना हटो यहां से', यानि किसान बेचते एवं खरीदते समय बेचारा बना हुआ है, वह स्वयं को असहाय एवं विवश अनुभव करता है। दुष्परिणामतः किसान ऋणचक्र में फंसाता जा रहा है। जो एक दाने से हजार दाने तक पैदा करता है, उसे तो ऋण मुक्त होना चाहिए, तब भी कृषि प्रधान भारत में किसान ऋण की पीड़ा भोग रहा है। गौ आधारित खेती में यह स्थिति संभव नहीं है क्योंकि किसान बाजारवाद की चपेट से बचा रहता है। उसका स्वास्थ्य अच्छा रहने से वह निरोगी होता है, चिकित्सा के लिए चक्कर लगाने नहीं पड़ते हैं एवं औषधियों का खर्चा वहन नहीं करना पड़ता है। उर्वरक एवं मशीनों पर होने वाले खर्च की लुट से भी किसानों को मुक्ति मिलती है, अर्थात् श्रेष्ठ समाधान गौ आधारित खेती है। इस हेतु से गौवंश की रक्षा सर्वोपरि है। गौशालाओं की गौवंश की नस्ल बचाने में तो महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए सरकार ने भी सही दिशा में विचार किया और गौशालाओं के संचालन के लिए 2015-16 में 10 उपकर लगाया गया, जिसे गोवंश पर ही खर्च करने का प्रावधान किया। वर्ष 2020-21 के बाद उपकर की मात्रा बढ़कर 30 तक कर दी गयी।

2015-16 से लेकर 31 दिसंबर 2025 तक प्राप्त में से खर्च की गई राशि के संदर्भ में सूचना के अधिकार के अनुसार 2060 करोड़ रुपए शेष है। एक ओर तो निराश्रित गायों के लिए छाया का प्रबंध नहीं होने

से वे सड़कों पर हैं, दूसरी ओर इतनी बड़ी राशि का उपयोग नहीं किया जा रहा है। संभावना यह भी व्यक्त की जा रही है कि गायों के नाम पर उपकर से वसूली जा रही राशि अन्य कार्यों के लिए खर्च की जा रही है। इससे सरकार की गाय के लिए गंभीरता पर प्रश्नवाचक चिन्ह लगता है।

कृषि प्रधान भारत की जनता गौ पूजा एवं सेवा को श्रेष्ठ धर्म मानती है। इसीलिए सामान्यतया घरों में बने वाली पहली रोटी गाय के लिए ही रखे जाने की जाने की श्रेष्ठ परिंपरा प्रचलन में रही है। इसी दिशा में गौशालाओं के साथ गौपालकों को भी प्रोत्साहन दिया जाए तो श्रेयस्कर सिद्ध हो सकता है। इस हेतु से उपकर की राशि के खर्च पर विचार किया जाना भी सार्थक हो सकता है। यह समीकरण भी विचार के लिए समीचीन है कि 5 लाख का शहर 500 गायों की पालना नहीं कर सकता जबकि 500 घरों का गांव 500 गायों को सरलता से रख सकता है। गोवंश की वृद्धि एवं रक्षा के लिए बैल आधारित खेती को सर्वोत्तम उपाय के रूप में अपनाया श्रेष्ठ विचार है। जन-जन की आत्मीय भावनाओं का आधार गौवंश देश के अन्नदाताओं को बाजारवाद एवं ऋणचक्र से मुक्ति दिलाने में कारगर हो सकता है। इस दिशा में सरकार द्वारा आरंभ बैल आधारित खेती के प्रोत्साहन के लिए नकद अनुदान जैसी योजनाओं की निरंतरता अपरिहार्य है।

रामपाल जाट,
राष्ट्रीय अव्यक्त किसान
महाप्रचायत।

भारत : अस्थिर दुनिया में आत्मनिर्भरता जरूरी

दूसरी दीवार पर बैठे लोग भी उसकी आंच महसूस करते हैं। यही वजह है कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ता तनाव सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। उसकी छाया हमारे रसोईघर, बाजार और छोटे-छोटे काम-धंधों तक आ पहुंची है।

भारत की नीति स्थिर रूप से शांति की है, लेकिन वैश्विक व्यवस्था में उसकी भागीदारी इतनी गहरी है कि किसी भी तनाव के असर से बचना संभव नहीं है। शहरों में ठेले पर चाय बेचने वाला हो या मिठाई की दुकान चलाने वाला अलवाइ, हर किसी के काम पर इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। गैस सिलेंडर की बुकिंग में देरी अब सिर्फ एक अनुविधा नहीं, बल्कि रोजमर्रा की कमाई पर चोट बनती जा रही है। इसका बड़ा कारण मूलभूत जरूरतों के लिए हमारा अन्य देशों पर निर्भर होना है। बड़ा सवाल यह है कि क्या हम अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए इतने अधिक बाहरी स्रोतों पर निर्भर हो चुके हैं कि कहीं भी हलचल हो और हमारी जमीन हिलने लगे?

यह सच है कि हमारी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आज भी आयात किए गए तेल और गैस से पूरा होता है। खाड़ी क्षेत्र में तनावनी बढ़ते ही सपनाई चैन पर दबाव पड़ता है और उसका सीधा असर हमारे घरों तक पहुंचता है। यह निर्भरता केवल आर्थिक नहीं है, बल्कि रणनीतिक कमजोरी भी है। लेकिन बात केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है। भारत का औद्योगिक और कृषि ढांचा भी कई मामलों में वैश्विक आपूर्ति पर टिका हुआ है। खाद्य तेल से लेकर उर्वरकों तक, इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर रक्षा उपकरणों तक कई ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हैं। यह स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है

जब वैश्विक संकट लंबा खिंचने लगता है।

तीन दशक पहले सद्दाम हुसैन को काबू करने के लिए मित्र देशों द्वारा इराक पर हमलों से डोजल-पेट्रोल के लिए हमारे देश में लगी लंबी कतारें हमें याद हैं। अब हम कमोबेश वैसी ही स्थिति की आशंका देख रहे हैं। बात केवल आयात की नहीं है, निर्यात भी इस संकट से प्रभावित हो रहा है। बीकानेर का भुजिया, महाराष्ट्र के केले, कपड़ा उद्योग और समुद्री उत्पाद आदि सबका अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचना अब पहले जैसा सहज नहीं रहा। जलगांव से रोना रोने से तीन हजार टन केला खाड़ी देशों व यूरोप को निर्यात होता है, लेकिन इस युद्ध ने निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। केले से बने सेकड़ों कंटेनर बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं। इसी प्रकार बीकानेर से भुजिया का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। समुद्री रास्तों में असुरक्षा और लागत बढ़ने से कई व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। केले केवल माल की आवाजाही का संकेत नहीं है, बल्कि इन उद्योगों से जुड़े लाखों लोगों की रोजी-रोटी का भी सवाल है।

भारत की आत्मनिर्भरता की बहस में सूचना एवं प्रौद्योगिकी का क्षेत्र अक्सर नजरअंदाज हो जाता है, जबकि यह आज की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत डिजिटल रूप से तेजी से आगे बढ़ा है, लेकिन इस डिजिटल ढांचे की बुनियाद अब भी काफी हद तक विदेशी तकनीक पर टिकी है। मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम, क्लाउड सेवाएं, सर्वर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बाहरी कंपनियों के नियंत्रण में हैं। ऐसे में वैश्विक तनाव या प्रतिबंधों की स्थिति में यह निर्भरता गंभीर जोखिम बन

सकती है। इंटरनेट के क्षेत्र में भी हालात अलग नहीं हैं। सोशल मीडिया, सर्च इंजन और डेटा स्टोरेज जैसे प्लेटफॉर्म विदेशी स्वामित्व में हैं, जिससे डेटा सुरक्षा और डिजिटल संप्रभुता पर सवाल उठते हैं। यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक चुनौती भी है।

इसके साथ ही, भारत में मौलिक आविष्कारों की कमी भी चिंता का विषय है। आईटी सेवाओं में मजबूती के बावजूद, शोध और पेटेंट के मामले में भारत अभी पीछे है। रिसर्च और डवलपमेंट पर कम निवेश इसकी वजह है। ऐसे में आत्मनिर्भरता के लिए तकनीकी नवाचार को प्रार्थमिकता देना अनिवार्य हो गया है। यह परिदृश्य हमें बाध्य कर रहा है कि हम आत्मनिर्भरता के उस विचार की ओर लौटें, जिसे हम अक्सर नारे के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं, लेकिन उसे व्यवहार में पूरी तरह उतार नहीं पाए हैं। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया के संकेत जाना नहीं है, बल्कि इतना सक्षम बनना है कि वैश्विक उथल-पुथल का असर सीमित किया जा सके। मौजूदा समय में सवाल यह नहीं है कि भारत को वैश्विक व्यापार से दूरी बनानी चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हमारी अपनी नींव इतनी मजबूत है कि बाहरी झटकों को सह सके?

समय की मांग है कि हमें ऊर्जा के क्षेत्र में वैकल्पिक स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना चाहिए। सौर और पवन ऊर्जा अब केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं रहे हैं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का आधार भी बन चुके हैं। इसी प्रकार मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करना, छोटे उद्योगों को तकनीक और वित्तीय सहायता देना और कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना जरूरी है, क्योंकि ऐसे कदम ही भारत को भीतर

से सशक्त बना सकते हैं। इस बीच, कुछ ऐसे सवाल भी हैं जिनका उत्तर हमें खोजना चाहिए। बड़ा सवाल है कि क्या हमने सरस्ते आयात के लालच में अपनी उत्पादन क्षमता को कमजोर कर दिया है? क्या हमारी नीतियां दीर्घकालिक सोच के बजाय तत्कालिक लाभ पर अधिक केंद्रित रही हैं? और सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या हम हर संकट के बाद कुछ समय के लिए जागते हैं और फिर वही पुरानी लापरवाही ओढ़ लेते हैं? दुनिया में अस्थिरता निरंतर बढ़ रही है। कभी इस देश में तो कभी उस देश में कुछ न कुछ संकट खड़ा हो ही जाता है।

मानना पड़ेगा कि दुनिया में अस्थिरता अब अपवाद नहीं रही है बल्कि एक स्थाई स्थिति बनती जा रही है। एक युद्ध खत्म होता नहीं है तो दूसरा शुरू हो जाता है। ऐसे में यह उम्मीद करना कि सब कुछ सामान्य रहेगा, शायद खुद को धोखा देने जैसा ही होगा। हमारे सामने चुनौती यह नहीं है कि वह इन युद्धों को रोक सके बल्कि बचौती यह है कि हम इनके प्रभाव को अपने यहां किस हद तक सीमित कर पाते हैं। जब दुनिया जलती है तो उसकी आंच से बचना संभव नहीं है लेकिन हम अपने घर को आग से बचाने के प्रयत्न तो कर ही सकते हैं। आत्मनिर्भरता उसी बचाव का नाम है। आत्मनिर्भरता ही एक ऐसा कवच है, जो हमें संकट से बचा सकता है। हमारा देश आत्मनिर्भर बने, इसके लिए कदम उठाने ही होंगे। इसके लिए सरकार, हमारे नीति नियंत्रण, नागरिकों, संस्थाओं को मिलकर काम करना होगा। यह परिहार्य है, इस बात को समझना चाहिए।

प्रो. महेश चंद गुप्ता
लेखक प्रख्यात विचारक,
(चितक और वक्ता)

राशिफल बुधवार 8 अप्रैल, 2026



पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, बुधवार, विक्रम सम्वत् 2083, मूल नक्षत्र गुरुवार प्रातः 8.48 तक, वारियान योग सायं 5.10 तक वाणिज्य करण सायं 7.02 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति - सूर्य-मीन, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-कुम्भ, गुरु-मिथुन, शुक्र-मेघ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा। आज यमघट योग सूर्योदय दिन रात होगा। कुमार योग सायं 7.02 तक है। रविविद्योग सम्पूर्ण दिनरात रहेगा। भद्रा सायं 7.02 से आरम्भ होगा। श्रेष्ठ चौघडिया - लाभ-अमृत सूर्योदय से 9.22 तक शुभ 10.55 से 12.29 तक, चत 3.36 से 5.10 तक राहुकाल - 12.00 से 1.30 तक सूर्योदय 6.14 सूर्यास्त 6.43

मेघ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। पारिवारिक कारणों से मानसिक तनाव रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृष
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका बन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मिथुन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवाहित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
परिजन के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकात्मक आशासन प्राप्त होगा।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ बन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में उचित परिणाम मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
पारिवारिक कार्यों के कारण भाग्यहीन रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद हो सकते हैं।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खोस से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकात्मक आशासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

बालोतरा में ड्रग्स फैक्टरी पकड़ी, पिता-पुत्र गिरफ्तार

भारी मात्रा में नशीले पदार्थ, रसायन और उपकरण बरामद किए

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन विभ्रंजन के तहत बालोतरा पुलिस ने भारतामाला एक्सप्रेस-वे के किनारे अवैध रूप से संचालित एक ड्रग्स फैक्टरी का पर्दाफाश करते हुए भारी मात्रा में नशीले पदार्थ, रसायन और उपकरण बरामद किए हैं। इस मामले में पुलिस ने ड्रग माफिया पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक रमेश ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु मुख्यालय के निर्देशानुसार यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरफूलसिंह और वृत्ताधिकारी विकास कुमार के सुपरविजन में थानाधिकारी पंचपदरा शिवापालसिंह और नरपदावन निगु के नेतृत्व में दो अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया था। पुलिस को मुखबिंद से सूचना मिली थी कि सहदर कुड़ी में आरोपी ओमप्रकाश और सुभाष के घर पर अवैध गतिविधियां चल रही

हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दबिश दी, जहां से चार किलो अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया गया। आरोपियों से पूछताछ में उन्होंने घर के पास बने बाड़े में अवैध एमडीएमए बनाने की फैक्टरी का खुलासा किया। ड्रग्स फैक्टरी से पुलिस ने भारी मात्रा में रसायन, ड्रग्स, जरिकेन, टब, जग, टे, छलनी, प्लास्टिक के पाउच और गैस सिलेंडर सहित अन्य उपकरण बरामद किए हैं, जिनका उपयोग नशीले पदार्थ बनाने में किया जा रहा था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सुरेश कुमार विश्वांनी निवासी कुड़ी के लिए अवैध एमडीएमए तैयार करते थे। सुरेश कुमार उन्हें रसायन और सामग्री उपलब्ध कराता था और इसके बदले उन्हें मोटी रकम दी जाती थी। इसके अलावा, आरोपी भारतामाला एक्सप्रेस-वे पर ट्रक चालकों को भी डोडा पोस्त की सप्लाई करते थे। पुलिस ने ओमप्रकाश (41) पुत्र बलवन्तराम विश्वांनी, सुभाष (23) पुत्र ओमप्रकाश विश्वांनी, निवासी कुड़ी को गिरफ्तार किया है।

गर्म पानी की रॉड से करंट लगा, मां-बेटी की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के अनुपगढ़ में गर्म पानी करने की रॉड से करंट लगने के कारण मां-बेटी की मौत हो गई। मां ने बाल्टी में पानी गर्म करने के लिए रॉड लगा रखी थी। तीन साल की बेटी खेलते-खेलते बाल्टी के पास पहुंची और अंदर हाथ डाल दिया। बेटी को करंट लगता देख मां चिल्लाई और उसे पकड़कर बचाने की कोशिश की, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गई। चीख सुनकर पड़ोसी उनके घर पहुंचे तो मां-बेटी बेहोश पड़ी थी। पड़ोसियों ने दोनों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। एसएचओ इश्वर जांगिड़ ने बताया कि बाल्टी 34 में गीता चौक निवासी सरोज (34) और उसकी बेटी दिव्यांशी (3) को करंट लगने के कारण मौत हो गई। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। दोनों शव सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। महिला के पति विजय कुमार ने रिपोर्ट दी है, जिसमें बताया कि मैं सुबह अपने काम के लिए घर से निकल गया था। सुबह करीब 11.30 बजे मेरी

■ खेलते-खेलते बच्ची ने बाल्टी में हाथ डाला, बचाने की कोशिश में मां की मौत हो गई

पत्नी सरोज ने पानी गर्म करने के लिए बाल्टी में रॉड लगाई थी। बेटी दिव्यांशी (3) पास में ही खेल रही थी। खेलते-खेलते दिव्यांशी ने बाल्टी में हाथ डाल दिया और उसे करंट लग गया। बेटी को करंट लगता देख सरोज चिल्लाई और दौड़कर उसे पकड़ा, जिससे वह भी करंट की चपेट में आ गई। सरोज को चीख सुनकर पड़ोसी हमारे घर पहुंचे। उन्होंने देखा कि दिव्यांशी और सरोज फर्श पर बेहोश पड़े थे। पड़ोसियों ने दोनों को अनुपगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। एसएचओ इश्वर जांगिड़ ने बताया कि बाल्टी 34 में गीता चौक निवासी सरोज (34) और उसकी बेटी दिव्यांशी (3) को करंट लगने के कारण मौत हो गई। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। दोनों शव सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। महिला के पति विजय कुमार ने रिपोर्ट दी है, जिसमें बताया कि मैं सुबह अपने काम के लिए घर से निकल गया था। सुबह करीब 11.30 बजे मेरी

ट्राले की टक्कर से बस सवार 11 यात्री गंभीर घायल

बीकानेर, (निसं)। पलाना-उदयरामसर मार्ग पर ट्राले ने बस को टक्कर मार दी। हादसे में बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घायल 12 लोगों को पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रामा सेंटर में ले जाया गया। 11 यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। घायलों में बस ड्राइवर भगवानाराम की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयपुर रेफर किया गया है। अन्य घायलों का इलाज पीबीएम अस्पताल में जारी है, जबकि कुछ यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। जानकारी के अनुसार हादसे के समय बस जोधपुर से संगरिया की ओर जा रही थी और शाम को जोधपुर से रवाना हुई थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस

■ घायलों में बस ड्राइवर की स्थिति गंभीर, जयपुर रेफर किया

में सवार यात्रियों को चोटें आईं और कई लोग दहशत में आ गए। हादसे में बीकानेर की सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर मोनिका राजगुरोहित और उनकी बहन भी घायल हुई हैं। हालांकि, दोनों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार खड्गवत और उनकी असाहाय सेवा संस्थान की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने राहत कार्य करते हुए घायलों को तुरंत पीबीएम हॉस्पिटल भिजवाने में मदद की।

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone No. 01568-222419
क्रमांक :- न.प.सु/स्थापना शाखा/2026/32 दिनांक :- 01.04.2026

:- ई-निविदा सूचना-2026-27 :-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में ई-निविदा दिनांक 16.04.2026 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों की वेबसाइट <https://eproc.rajasthan.gov.in> से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक **DLB2627SLOB00045** है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ़ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/26/349 आयुक्त, नगर परिषद, सुजानगढ़

नगर निगम जोधपुर
क्रमांक:- 14 दिनांक:- 01.04.2026

:- ई-निविदा सूचना :-
(UB NO. DLB2627WSOB00026)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न सिविल कार्यों हेतु ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्तें आदि <http://eproc.rajasthan.gov.in> तथा www.sppp.rajasthan.gov.in एवं <https://sg.Rajasthan.gov.in/mcjs> पर देखी जा सकती है।
आयुक्त नगर निगम जोधपुर
राज.संवाद/सी/26/371

S.No.	TenderId	U.B.N.No	Estimated Cost
1.	2026_DLB_549602_1	DLB2526WSOB00115	6.32 Lac
2.	2026_DLB_549602_2	DLB2526WSOB00116	7.64 Lac
3.	2026_DLB_549602_3	DLB2526WSOB00117	10.17 Lac
4.	2026_DLB_549602_4	DLB2526WSOB00118	18.83 Lac
5.	2026_DLB_549602_5	DLB2526WSOB00119	21.22 Lac

राज.संवाद/सी/26/405 अधिशामी अधिकारी

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड CIN No: U40109RJ2000SGC016486

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड CIN No: U40109RJ2000SGC016482

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड CIN No: U40109RJ2000SGC016483

वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु:-
राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के लिए अपने आदेश दिनांक 30.03.2026 के द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश जारी कर दिया है। नया आदेश, दिनांक 01.04.2026 से प्रभावी होगा। विस्तृत वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश निम्नो की वेबसाइट <https://energy.rajasthan.gov.in/jvnl>, <https://energy.rajasthan.gov.in/avnll>, <https://energy.rajasthan.gov.in/dvnl> एवं माननीय आईआरसी की वेबसाइट <https://erc.rajasthan.gov.in> पर उपलब्ध है।

- विद्युत टैरिफ में कोई संशोधन नहीं: माननीय आयोग (RERC) ने कुछ लक्षित टैरिफ युक्तिकरण उपायों को छोड़कर किसी भी उपभोक्ता श्रेणी के लिए विद्युत टैरिफ में कोई परिवर्तन/संशोधन नहीं किया है।
- मध्यम औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए राहत: मध्यम औद्योगिक सेवा (MT-3/MIP) उपभोक्ताओं हेतु न्यूनतम प्रभावी ऊर्जा शुल्क (रिबेट के बाद) 6.30 रु. प्रति यूनिट से घटकाकर 6.00 रु. प्रति यूनिट कर दिया गया है, जबकि आधार ऊर्जा शुल्क 6.50 रु. प्रति यूनिट पर यथावत रखा गया है।
- सार्वजनिक पथ प्रकाश के लिए सरकारीकरण: सार्वजनिक पथ प्रकाश (PSL) श्रेणी के लिए टाइम ऑफ डे (ToD) टैरिफ को वापस ले लिया गया है।
- ईवी चार्जिंग अवसरचना को बढ़ावा: सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए एकल-मांग टैरिफ (Single Part Tariff) लागू किया गया है। एचटी 8 (HT) और एचटी 6 (HT 6) दोनों श्रेणियों के लिए स्थाई शुल्क (Fixed Charges) हटा दिए गए हैं, जबकि ऊर्जा शुल्क 6.00 रु. प्रति यूनिट पर यथावत रखा गया है।
- एलटी से एचटी परिवर्तन मानकों में स्पष्टता: आयोग ने टैरिफ परिभाषा में संशोधन को अनुमोदित किया है, जिसके अनुसार यदि किसी विद्युत वर्ष में अधिकतम मांग 50 केबीए (क्या) से तीन बार अधिक होती है, तो एलटी से एचटी में परिवर्तन अनिवार्य होगा। यह संशोधन टैरिफ प्रकाशकों को टीसीओएस (TCOS) के अनुसंधान बनाता है तथा किसी भी प्रकार की अस्पष्टता को समाप्त करता है।
- गैर-घरेलू स्तंभों का युक्तिकरण: 5 किलोवाट तक के स्वीकृत सम्बद्ध भार वाले गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पूर्ववर्ती टैरिफ स्तंभ-टाइप 1 (प्रति माह 100 यूनिट तक खपत) तथा टाइप 2 (प्रति माह 200 यूनिट तक खपत) को मिलाकर एकल टाइप 1 स्तंभ (प्रति माह 200 यूनिट तक खपत) बनाया गया है। इससे बिलिंग प्रक्रिया सरल होगी, जबकि वर्तमान ऊर्जा शुल्क एवं स्थाई शुल्क दरों को यथावत रखा गया है।
- सार्वजनिक पथ प्रकाश (Public Street Lighting) कनेक्शनों के लिए स्थाई शुल्क की सीमा निर्धारण: सार्वजनिक स्ट्रीट लाइटिंग के लिए स्थाई शुल्क को प्रति सेवा कनेक्शन जनसंख्या के आधार पर सीमित किया गया है- 1 लाख से कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों के लिए 3,000 रु प्रति सेवा कनेक्शन प्रति माह तथा 1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या वाले नगरों के लिए 8,000 रु. प्रति सेवा कनेक्शन प्रति माह। वही, प्रति लेम्य शुल्क दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।
- द्वि-स्रोत विद्युत आपूर्ति (Dual source supply) हेतु टैरिफ की स्वीकृति: सभी एचटी (HT) एवं ईएचटी (EHT) उपभोक्ता, जो द्वि-स्रोत विद्युत आपूर्ति का लाभ एक साथ (simultaneous) अथवा स्टैंडबाय के रूप में ले रहे हैं, उनसे संबंधित टैरिफ श्रेणी हेतु निर्धारित स्थाई प्रभार का दोगुना प्रभार लिया जाएगा।
- ग्रीन पावर टैरिफ में कोई वृद्धि नहीं की गई है।
- इस टैरिफ आदेश में अतिरिक्त अधिभार (Additional Surcharge) तथा क्रॉस-सब्सिडी शुल्क (Cross-subsidy Charges) में कमी की गई है।

वर्ष 2026-27 के लिये अनुमोदित टैरिफ

घरेलू श्रेणी (एल.टी-1 एवं एच.टी-1)	घरेलू श्रेणी
विशिष्टियां	विशिष्टियां
मौजूदा टैरिफ	अनुमोदित टैरिफ
ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

* नोट :- बीपीएल और आस्था कार्ड धारक की घरेलू टैरिफ एकल उपभोक्ता पर ही लागू होगी और यह किसी संस्था पर लागू नहीं होगी। यदि बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघु घरेलू उपभोक्ता किसी बिलिंग चक्र में 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर उपभोग करते हैं तो उपभोक्ता पर घरेलू श्रेणी एलटी-1 के अन्तर्गत अतिरिक्त यूनिटों के उपभोग पर सम्बंधित स्तंभ लागू होगी

घरेलू श्रेणी	घरेलू श्रेणी
विशिष्टियां	विशिष्टियां
सामान्य घरेलू-1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	सामान्य घरेलू-1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)
ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

घरेलू श्रेणी	घरेलू श्रेणी
विशिष्टियां	विशिष्टियां
सामान्य घरेलू-2 (300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	सामान्य घरेलू-2 (300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)
ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

घरेलू श्रेणी	घरेलू श्रेणी
विशिष्टियां	विशिष्टियां
सामान्य घरेलू-3 (500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	सामान्य घरेलू-3 (500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)
ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

घरेलू श्रेणी	घरेलू श्रेणी
विशिष्टियां	विशिष्टियां
सामान्य घरेलू-4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)	सामान्य घरेलू-4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)
ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

घरेलू श्रेणी (एच.टी-1)	घरेलू श्रेणी
विशिष्टियां	विशिष्टियां
एच.टी घरेलू (एच.टी-1)	एच.टी घरेलू (एच.टी-1)
ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

अधरेलू श्रेणी (एल.टी-2 एवं एच.टी-2)	अधरेलू श्रेणी
विशिष्टियां	विशिष्टियां
एल.टी. अधरेलू (एल.टी-2)	एल.टी. अधरेलू (एल.टी-2)
ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

अधरेलू श्रेणी	अधरेलू श्रेणी
विशिष्टियां	विशिष्टियां
एल.टी. अधरेलू (एल.टी-2)	एल.टी. अधरेलू (एल.टी-2)
ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

अधरेलू श्रेणी	अधरेलू श्रेणी
विशिष्टियां	विशिष्टियां
एल.टी. अधरेलू (एल.टी-2)	एल.टी. अधरेलू (एल.टी-2)
ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

अधरेलू श्रेणी	अधरेलू श्रेणी
विशिष्टियां	विशिष्टियां
एल.टी. अधरेलू (एल.टी-2)	एल.टी. अधरेलू (एल.टी-2)
ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

अधरेलू 50 के.बी.ए. से ऊपर संविदा मांग	मौजूदा टैरिफ	अनुमोदित टैरिफ
एच.टी. अधरेलू (एच.टी. 2)	ऊर्जा प्रभार	ऊर्जा प्रभार
50 के.बी.ए. से ऊपर संविदा मांग	स्थाई प्रभार	स्थाई प्रभार

सार्वजनिक पथ प्रकाश (पी.एस.एल) श्रेणी (एल.टी-3)	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
पी.एस.एल	स्थाई प्रभार	पी.एस.एल	स्थाई प्रभार

कृषि श्रेणी (पी.एस.एल) श्रेणी (एल.टी-4)	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
कृषि सप्लाई	स्थाई प्रभार	कृषि सप्लाई	स्थाई प्रभार

लघु औद्योगिक सेवा (एल.टी-5)	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
लघु औद्योगिक सेवा (एल.टी-5)	स्थाई प्रभार	लघु औद्योगिक सेवा (एल.टी-5)	स्थाई प्रभार

मध्यम औद्योगिक सेवा (एल.टी-6)	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
मध्यम औद्योगिक सेवा (एल.टी-6)	स्थाई प्रभार	मध्यम औद्योगिक सेवा (एल.टी-6)	स्थाई प्रभार

मध्यम औद्योगिक सेवा (एच.टी-3)	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
मध्यम औद्योगिक सेवा (एच.टी-3)	स्थाई प्रभार	मध्यम औद्योगिक सेवा (एच.टी-3)	स्थाई प्रभार

* नोट:- सभी घट्टों को सम्मिलित करते हुए न्यूनतम ऊर्जा प्रभार एल.टी-3 के लिए प्रति यूनिट 6.00 रु. होगा।

विश्व लोड श्रेणी (एल.टी-7 और एच.टी-4)	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
विश्व लोड सेवा (एल.टी-7)	स्थाई प्रभार	विश्व लोड सेवा (एल.टी-7)	स्थाई प्रभार

वृहद औद्योगिक श्रेणी (एच.टी-5)	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
वृहद औद्योगिक श्रेणी (एच.टी-5)	स्थाई प्रभार	वृहद औद्योगिक श्रेणी (एच.टी-5)	स्थाई प्रभार

वृहद औद्योगिक श्रेणी के लिये वोल्टेज वार अनुमोदित टैरिफ* स्वीकृत सम्बद्ध भार 150 एच.पी. से अधिक अनुभित / अधिकतम मांग 125 के.बी.ए. से ऊपर

वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
11 केबी	6.50 रु प्रति यूनिट*	बिलिंग मांग का 380 रु प्रति के.बी.ए. प्रति माह	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
			विशिष्टियां	स्थाई प्रभार

*वोल्टेज घट्ट दिए गए विवरण के अनुसार लागू होगी।

वोल्टेज घट्ट:- 11 केबी पर आपूर्ति के लिए अनुबंधित मांग-आधारित टैरिफ लागू होगा। यदि एच.टी उपभोक्ता, जिसमें बड़े औद्योगिक श्रेणी के उपभोक्ता भी शामिल हैं, नीचे उल्लेखित वोल्टेज स्तर पर आपूर्ति ली और दी जाती है, तो उस मांग के ऊर्जा प्रभार पर निम्नलिखित घट्ट दी जाएगी।

वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
33 केबी			विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
132 केबी			विशिष्टियां	स्थाई प्रभार
220 केबी			विशिष्टियां	स्थाई प्रभार

न्यूनतम ऊर्जा प्रभार	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
वोल्टेज स्तर	स्थाई प्रभार	वोल्टेज स्तर	स्थाई प्रभार

विद्युत चसित वाहनों हेतु चार्जिंग स्टेशन (एल.टी-8 और एच.टी-6)	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
श्रेणी	स्थाई प्रभार	श्रेणी	स्थाई प्रभार

ट्रैडिंग लोड (एच.टी-7)	मौजूदा टैरिफ	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
ट्रैडिंग लोड (एच.टी-7)	स्थाई प्रभार	ट्रैडिंग लोड (एच.टी-7)	स्थाई प्रभार

टाइम ऑफ डे (TOD) घट्ट और अधिभार (कृषि उपभोक्ताओं और सार्वजनिक पथ प्रकाश (पी.एस.एल) श्रेणी को छोड़कर 10 किलोवाट से अधिक लोड वाले सभी उपभोक्ताओं पर लागू)

स्लॉट्स	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	विशिष्टियां	अनुमोदित टैरिफ
6:00 AM से 8:00 AM (4 घंटे)	ऊर्जा प्रभार पर अधिभार	ऊर्जा प्रभार पर घट्ट	विशिष्टियां	ऊर्जा प्रभार
12:00 PM से 4:00 PM (4 घंटे)			विशिष्टियां	स्थाई प्रभार

द्वि-स्रोत विद्युत आपूर्ति (Dual source supply) हेतु टैरिफ (सभी एच.टी एवं ईएच.टी उपभोक्ताओं के लिए)

अतिरिक्त सरचार्ज</

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश बन रहा 'हरियालो राजस्थान'

5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण से राज्य बनेगा 'हरित प्रदेश'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के सतत विकास के साथ हरित राजस्थान एवं पर्यावरण संरक्षण को दिशा में ऐतिहासिक काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ का नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राजस्थान में शर्मा के विजन से 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के जरिए भावी पीढ़ी के लिए प्राकृतिक संपदा में बढ़ोतरी की जा रही है। इस कार्य को साकार करने के लिए मल्टी सेक्टर ग्रीन प्रोग्राम के रूप में शुरू किया गया 'मिशन

हरियालो राजस्थान' अहम कड़ी साबित हो रहा है। शर्मा के दिशा-निर्देशन में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण किया जाएगा। वर्ष 2024 के मानसून में 7 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य से अधिक 7.22 करोड़ पौधारोपण किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2025 के मानसून में भी 10 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य के विरुद्ध 11.74 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया गया। इस प्रकार पिछले 2 वर्षों में लगभग 19 करोड़

■ 2 वर्षों में लगभग 19 करोड़ पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण को मिली मजबूती

पौधारोपण किया जा चुका है। इस महाअभियान में विभिन्न फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों को विभिन्न प्रजातियां लगाई गई हैं। इस उपलब्धि से प्रदेश में जैव विविधता का संरक्षण भी हो रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देशन में राज्य के

समस्त जिला मुख्यालयों पर 'नमो नर्सरी' की स्थापना और प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर चरणबद्ध रूप से 'नमो वन' विकसित करने के कार्य को वन एवं पर्यावरण विभाग प्रतिबद्धता से पूरा कर रहा है। वहीं, उदयपुर, सिरोंही और बांसवाड़ा में चंदन वन की स्थापना के लिए जरूरी कदम भी उठाए जा रहे हैं। इसी प्रकार शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान को हरित प्रदेश बनाने एवं पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए वर्ष 2025-26 में राज्य का पहला 'हरित बजट' भी प्रस्तुत किया गया था। मिशन हरियालो

राजस्थान के तहत राजस्थान में मानसून सीजन से पहले से पौधारोपण के लिए स्थान का चयन, फेंसिंग, खुदो, नर्सरियों से पौधों की व्यवस्था की जाती है। जिसके पश्चात राज्य सरकार के हितधारक विभागों और जनसहभागिता से पौधारोपण के कार्य को किया जाता है। जिओ टैगिंग के माध्यम से पौधों के संधारण एवं संरक्षण के काम को भी बखूबी किया जा रहा है। जिसमें राज्य सरकार की ओर से बनाए गए वन मित्र एवं वृक्ष मित्र अहम भूमिका निभा रहे हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दें : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शासन सचिव महिला एवं बाल विकास प्रभु, निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं की कियान्विति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में महिला एवं बाल विभाग से सम्बन्धित 11 बजट घोषणाओं का सम्यक्बद्धता से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। जिनमें से एक बजट घोषणा का क्रियान्वयन हो गया है जबकि बाकि 10 बजट घोषणाओं को भी समय पर पूरा किए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने इसके साथ ही संकल्प पत्र पर भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दिए जाने के



उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई।

निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एक आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन ज्यादा बेहतर ढंग से कर सकती हैं। इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों को बेहतर मिल सकती है। इसके साथ ही वहां आने वाली गर्भवति

एवं धात्री महिलाओं, किशोरी बालिकाओं को भी बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं। उपमुख्यमंत्री ने उन्होंने निर्देश दिए कि लिए के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों को राजकीय विद्यालय भवनों में संचालित करने का बेहतर विकल्प है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि लिए के

भवनों में संचालित होने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों को बेहतर सुविधायुक्त किराए के भवनों में संचालित करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे विद्युत, पेय जल और क्रियाशील शौचालय उपलब्ध करवाएं।

कांग्रेस विधायक हरिश चौधरी की बेटी की कार का एक्सीडेंट

जयपुर। ज्योति नगर थाना क्षेत्र में विधानसभा के मुख्य द्वार के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार कांग्रेस विधायक हरिश चौधरी की पुत्री आस्था चौधरी चला रही थीं। हादसे में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि कार सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। पुलिस से एमएलए क्वार्टर की ओर जा रही थी। विधानसभा गेट के पास सड़क पर अचानक चार-पांच श्वान आ जाने से चालक ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, जिससे वाहन पर नियंत्रण खो गया और कार ट्रैफिक सिग्नल पोल व पेड़ से जा टकराई। थाना साठय में तैनात पुलिसकर्मी केलाश ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त क्रेटा कार आस्था चौधरी के नाम से नागौर पते पर पंजीकृत है और हादसे के समय वही वाहन चला रही थीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहन को जन्म कर धाले ले जाया गया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई है। फिलहाल इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं कराया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए "राज ममता" कार्यक्रम का शुभारंभ

सवाई मानसिंह अस्पताल में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान प्रारंभ

—कार्यालय संवाददाता—
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत एवं सुगम बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मंगलवार को चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान एवं मानसिक



चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक डर्मेटोलॉजी संस्थान तथा राज-ममता कार्यक्रम का शुभारंभ करने के बाद चिकित्सकों से संवाद किया।

- चिकित्सा मंत्री ने अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किया संवाद
- एसएमएस में बनेगा मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक्सिलेंस सेंटर
- निजी अस्पतालों की तुलना में कम लागत में होगा त्वचा रोग इलाज

स्वास्थ्य के लिए बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए इस वित्तीय वर्ष की बजट घोषणा के अनुसार राज-ममता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विषयों पर संवाद एवं समीक्षा भी की। चिकित्सा मंत्री ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में राज-ममता (राजस्थान मेटल अवेयरनेस, मेंटोरिंग एंड ट्रीटमेंट फॉर ऑल) कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को ऑनलाइन समीक्षा के लिए सेल्फ मॉनिटरिंग एप एवं आउटरीच एप को भी लॉन्च किया। खींवर ने कहा कि बढ़ते तनाव के दौर में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं बेहतर उपचार सेवाओं के लिए राज्य सरकार ने अभिनव पहल करते हुए राज-ममता कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस कार्यक्रम के तहत एसएमएस अस्पताल में मानसिक

स्वास्थ्य के लिए एक्सिलेंस सेंटर बनाया जाएगा। जिला स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रकोष्ठ गठित किए जाएंगे तथा मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता की सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

शिक्षण संस्थानों में तनाव प्रबंधन कार्यशाला एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान संचालित किए जाएंगे। विद्यालयों में मानसिक परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे।

खींवर ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डर्मेटोलॉजी संस्थान में स्थापित अत्याधुनिक मशीनें, विशेष रूप से एआई आधारित तकनीक, त्वचा रोगों के निदान और उपचार को अधिक सटीक, प्रभावी और आधुनिक बनाएंगी। खींवर ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वास्थ्य केन्द्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हों। अस्पतालों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखा जाए। जिन अस्पतालों के भवन जर्जर हालत में हैं, उनको मरम्मत करवाई जाए।

सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को आगामी दिनों में हीट-वेव को ध्यान में रखते हुए समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने

सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को कहा वे नियमित रूप से बेसिक पैरामीटर्स की जरूर समीक्षा करें, ताकि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रहे।

राठौड़ ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में गैर संक्रामक बीमारियों पर विशेष फोकस करने और जीरियाट्रिक केयर पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक जोगराम ने एचपीवी वैक्सीन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए नियमित रूप से स्कूलों में चर्चा कर नजदीकी पीएचसी या अन्य स्वास्थ्य केन्द्र पर लक्ष्य अर्जित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कायाकल्प कार्यक्रम, गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम पर विचार व्यक्त किए। निदेशक आरएमएससीएल पुखराज सेन ने कहा कि प्रत्येक रोगी को दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान रखा जाए। दवाओं की मांग और आपूर्ति की नियमित समीक्षा करें।

बैठक में अतिरिक्त मिशन निदेशक एचएमए डॉ. शुभमंगला, चिकित्सा एिआयुवत बाबूलाल गोयल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेस्वर, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, अतिरिक्त निदेशक राजपरित डॉ. सुशील परमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सिलेंडर किसी अन्य को बेचा, गैस एजेंसी पर 4 हजार रुपए हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने ग्राहक का गैस सिलेंडर किसी अन्य को बेचने को सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने मुरलीपुरा की सीमा भारत गैस एजेंसी पर चार हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग के अध्यक्ष जीएल मीणा और सदस्य अजय कुमार व सुप्रिया अग्रवाल ने यह आदेश नवस्थाम दास विजय के परिवार पर

दिए। परिवार में कहा गया कि परिवार को विपक्षी गैस एजेंसी से सिलेंडर की सप्लाई होती थी। इस दौरान ही एक दिसंबर 2021 को उसके मोबाइल पर सिलेंडर डिलीवर होने का एक मैसेज आया, जबकि उसने सिलेंडर की बुकिंग ही नहीं कराई थी। इस बारे में उसने गैस एजेंसी के कर्मचारियों से पूछा तो उन्होंने कोई भी जवाब नहीं दिया। परिवार

सिलेंडर की जरूरत हुई तो उसने 5 दिसंबर को बुक कराया और 7 दिसंबर को उसे सिलेंडर की डिलीवरी हुई। डिलीवरी रसीद में उसे अब तक 4 सिलेंडर डिलीवर होना बताया, जबकि उसने 3 सिलेंडर ही मिले थे। इस पर परिवार ने उसका गैस सिलेंडर किसी अन्य को बेचने पर गैस एजेंसी को कानूनी नोटिस भेजा और गैस एजेंसी के खिलाफ जिला उपभोक्ता

आयोग में परिवार दायर किया। जवाब में गैस एजेंसी ने कहा कि परिवार को 15 सिलेंडर की सप्लाई मिलती है और उसे कोई नुकसान नहीं हुआ है। जिला उपभोक्ता आयोग ने दोनों पक्षों को सुनकर माना कि गैस एजेंसी ने अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस कर परिवार की सिलेंडर किसी अन्य को बेचने किया है, ऐसे में उस पर हर्जाना लगाया उचित होगा।

'आदेश की पालना करो, वरना झालावाड़ एसपी पेश होकर जवाब दें'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद याचिकाकर्ता से वसूली गई राशि नहीं लौटाने पर नाजुगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने 23 अप्रैल को झालावाड़ पुलिस अधीक्षक को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अपना जवाब देने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आदेश की पालना कर ली जाती है तो एसपी को उपस्थित होने की जरूरत नहीं है। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश विश्वेन्द्र सिंह की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि मामले में सुप्रीम कोर्ट से एसएलपी खारिज

होने के बाद भी अदालती आदेश की पालना नहीं करना गंभीर बात है। इसके बावजूद भी न्याय हित में संबंधित अधिकारियों को आदेश की पालना के लिए अंतिम मौका और दिया जाता है। अवमानना याचिका में अविद्यमान आभिर खान और रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता पुलिस कांटेबल के तौर पर विभाग में अपनी सेवाएं दे रहा था। इस दौरान उसका चयन शिक्षक पद पर हो गया। ऐसे में याचिकाकर्ता ने शिक्षक पद का कार्य ग्रहण करने के लिए विभाग को प्रार्थना पत्र पेश कर रिजल्ट करने को कहा, लेकिन विभाग ने उसे रिजल्ट नहीं किया। वहीं दूसरी ओर विभाग ने

याचिकाकर्ता के प्रशिक्षण और वेतन पर राशि खर्च होना बताकर करीब चार लाख रुपए की रिकवरी निकाल दी। इस राशि को अदा करने पर ही याचिकाकर्ता को रिजल्ट किया गया। इसे चुनौती देने पर एकलपैठ ने 6 अगस्त, 2024 को विभाग को वसूली की गई राशि लौटाने को कहा। इस आदेश को पहले हाईकोर्ट की खंडपीठ और फिर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन विभाग को राहत नहीं मिली। इसके बावजूद भी विभाग की ओर से आदेश की पालना नहीं की जा रही है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आदेश की पालना नहीं करने पर झालावाड़ एसपी को तलब किया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल ने खेलकूद प्रतियोगिता के आगाज की औपचारिक घोषणा की। इस अवसर पर जयपुर रेंज की पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद सहित रेंज के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि और अन्य अधिकारियों ने पुलिस लाइन प्रोग्राम में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। प्रतियोगिता के पहले दिन

पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता में 329 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

जयपुर। राजस्थान पुलिस की कार्यकुशलता और टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयपुर रेंज की 21 वीं अंतर जिला (रेंज स्तरीय) पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता-2025 का भव्य शुभारंभ मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन, जयपुर ग्रामीण में किया गया। इस तीन दिवसीय आयोजन की मेजबानी जिला जयपुर ग्रामीण द्वारा की जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल ने खेलकूद प्रतियोगिता के आगाज की औपचारिक घोषणा की। इस अवसर पर जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद सहित रेंज के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि और अन्य अधिकारियों ने पुलिस लाइन प्रोग्राम में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। प्रतियोगिता के पहले दिन



जयपुर रेंज की 21 वीं अंतर जिला पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करने के बाद पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था संजय कुमार अग्रवाल ने खिलाड़ियों से मुलाकात की।

जयपुर रेंज के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने भव्य मार्च पास्ट किया और मुख्य अतिथि का अभिवादन करते हुए पूरी खेल भावना के साथ खेलने की शपथ ली। इस प्रतियोगिता में रेंज के विभिन्न

बैडमिंटन, हैडबॉल, कुरुती, एथलेटिक्स और ताइक्वांडो सहित कुल 9 खेलों को शामिल किया गया है। खिलाड़ियों की सुविधा और खेल के मानकों को देखते हुए प्रतियोगिता के सभी मैचों का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में किया जाएगा।

मुख्य अतिथि संजय कुमार अग्रवाल ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, बल्कि इनसे आपसी समन्वय और बॉन्डिंग भी मजबूत होती है। इससे पूर्व रेंज आईजी आरहाल प्रकाश ने स्वागत उद्घोषण करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के अंत में जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने सभी अतिथियों का आभार जताया। आयोजन के दौरान महानिरीक्षक राहुल प्रकाश द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

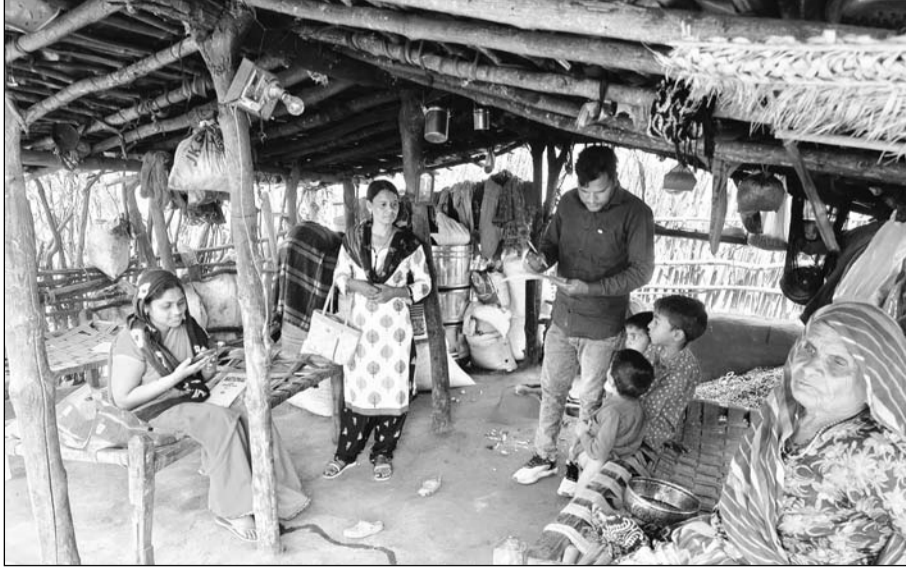
लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया पुलिस ने मोबाइल चोरी के बाद डिजिटल पेमेंट ऐप के जरिए बैंक खाते से लाखों रुपए निकालने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया सैमसंग एंड्रॉयड मोबाइल और 90 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। डीसीपी (पूर्व) रंजिता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संजय कुमार मोना (28) निवासी दीसा है। उसके खिलाफ पूर्व में भी मानपुर, बांदीकुई और जयपुर के खो नागौरियान थानों में चोरी सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने 12 मार्च की रात जगदीश प्रसाद मीना के निर्माणाधीन मकान से मोबाइल चोरी किया था। इसके बाद उसने मोबाइल में फोन-पे ऐप डाउनलोड कर परिचितों के बैंक खातों में कई ट्रांजेक्शन किए और पीडित के खाते से कुल 7 लाख 38 हजार रुपए निकाल लिए। घटना का खुलासा 21 मार्च को हुआ, जब पीडित ने अपने बैंक खाते की जांच की और रुपए निकाले जाने की जानकारी मिली। इसके बाद रामनगरिया थाने में मामला दर्ज कराया गया। पुलिस की विशेष टीम ने मुखबिर् की सूचना पर 31 मार्च को आरोपी को गिरफ्तार किया। पृष्ठताड़ में सामने आया कि आरोपी ने ठगी की तस्कम का कुछ हिस्सा ऑनलाइन गेमिंग और अन्य शौक पूरे करने में खर्च कर दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी से 90 हजार रुपए नकद और चोरी किया गया मोबाइल बरामद कर लिया है।

सलूम्वर में 3600 से ज्यादा चिकित्सा टीमों ने किया घर-घर सर्वेक्षण

पांच बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौत का मामला

जयपुर। सलूम्वर जिले में बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौत के प्रकरण को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सलूम्वर सहित उदयपुर संभाग के सातों जिलों में व्यापक स्तर पर आउटब्रेक नियंत्रण गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए थे। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर भी लगातार प्रभावित क्षेत्र की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। आरएनटी मेडिकल कॉलेज की टीम द्वारा मंगलवार को प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर आउटब्रेक की जांच की गई तथा प्राथमिक उपचार एवं जांच प्रोटोकॉल के संबंध में आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। राय्य स्तरीय टीम ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर विस्तृत जांच की। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि उदयपुर संभाग



सलूम्वर जिले में बच्चों की अज्ञात बीमारी से मौतों के बाद चिकित्सा विभाग की टीम ने मौके पर जांच की।

में करीब 3690 टीमों द्वारा 52 हजार से अधिक घरों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 275 लक्षण वाले मरीज चिन्हित किए गए। इनमें से 25,57 स्थानों को उच्च चिकित्सा संस्थानों हेतु रेफर किया गया। इस दौरान 13 हजा से अधिक स्थानों पर सूचना, शिक्षा एवं

संचार गतिविधियां संचालित की गईं। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि सलूम्वर के झाला झाला के सेमारी गांव में 01 चार वर्षीय बच्चे की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि आउट ब्रेक नियंत्रण गतिविधियों के तहत मंगलवार

को उदयपुर संभाग में 651 मरीजों का मौके पर ही उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए 2,57 स्थानों पर एंटी-लार्वल गतिविधियां की गईं। क्षेत्र में 1,796 ब्लड स्लाइड्स ली गईं तथा 94 सैंपल जांच हेतु एकत्रित किए गए।

लालपुरा-घाटा में सात बच्चों को किया रैफर

मौके पर पहुंचे अतिरिक्त संभागीय आयुक्त छोगाराम देवासी

सलूम्वर, (निर्सं)। सलूम्वर जिले के लसाडिया उपखंड क्षेत्र के लालपुरा व घाटा गांवों में रहस्यमयी बीमारी का प्रकोप लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। सोमवार देर रात फिर कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें लसाडिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सलूम्वर जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। प्रायतः जानकारी के अनुसार अब तक कुल 7 बच्चों को जिला अस्पताल रैफर किया जा चुका है। स्थिति को देखते हुए चिकित्सा विभाग और पशुपालन विभाग द्वारा गांवों में दवा छिड़काव (फॉगिंग) किया जा रहा है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. दिनेश राय सापेला, चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रकाश चन्द्र शर्मा, सीएमएसओ डॉ. महेंद्र परमार, अतिरिक्त सीएमएसओ डॉ. वी.डी. मीणा, उपखंड अधिकारी दिनेश आचार्य, डीएसपी हेरंब जोशी, तहसीलदार रामजीलाल गुर्जर, विकास अधिकारी मांगू सिंह मीणा, बीसीएमएसओ डॉ. सिंधु कुमावत, कृण थानाधिकारी निलेश कुमार मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहकर हालात पर नजर बनाए हुए हैं। धरियावद विधायक थावरचंद डामोर भी घाटा पहुंचे और विद्यालय में चिकित्सा अधिकारियों व प्रशासन से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों से अभी तक किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर तुरंत अस्पताल जाएं और अंधविश्वास से दूर रहें।

शातिर चैन सनैचर गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में बढ़ती चैन सनैचिंग की वारदातों पर लगाम कसते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नरेंट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने एक शातिर बदमाश को दबोचने में सफलता हासिल की है। सीएसटी ने करधनी थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए आदतन अपराधी चिरंजीव उर्फ रामचरण को गिरफ्तार किया है। फकड़े गए आरोपी के कब्जे से पुलिस ने सोने की एक चैन भी बरामद की है। फिलहाल आरोपी से पृष्ठताड़ की जा रही है। डीसीपी अपराध संजीव नैन अनुसार गिरफ्तार आरोपी चिरंजीव उर्फ चिरंजी (21) निवासी फागी जिला जयपुर का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में चैन स्नेचिंग और नकबजनी के 15 से अधिक आपराधिक प्रकरण पहले से दर्ज हैं। आरोपी इतना शातिर है कि उसने हाल ही में श्यामनगर थाना इलाके में भी चैन स्नेचिंग की एक वारदात को अंजाम दिया था जिसका मामला दर्ज दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से सख्ती से पृष्ठताड़ कर रही है, जिससे शहर में हुई अन्य वारदातों के खुलने की भी संभावना है। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि परिवारों अंकुर शर्मा ने 12 दिसंबर 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी माताजी अपनी पोती के साथ स्कूल से घर लौट रही थीं, तभी जनकल्याण अस्पताल के पास बाइक सवार दो बदमाश उनके गले से सोने की चैन छीनकर फरार हो गए थे। इस संबंध में करधनी थाने में बीएसपी की थाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

बाड़मेर में सीमा पार से आई 25 करोड़ की मेटाफेटामाइन ड्रग पकड़ी, दो गिरफ्तार

एटीएस राजस्थान-गुजरात और सदर बाड़मेर थाना पुलिस ने कार्रवाई की

बाड़मेर, (निर्स)। राजस्थान पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गत रात को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से लाए गई करीब पांच किलोग्राम वजन की मेटाफेटामाइन ड्रग्स जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी इस खेप की सप्लाई देने जा रहे थे। जब्त की गई इस खेप की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 25 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एटीएस, एजीटीएफ और एएनटीएफ दिनेश एएमए के निर्देशन, आईजी राजेश सिंह और डीआईजी योगेश यादव व राममूर्ति जोशी के सुपरविजन तथा एसपी ज्ञान चंद यादव के नेतृत्व में एटीएस गुजरात से मिले इनपुट पर अंजाम दी गई, जिसमें बाड़मेर एसपी चुनाराम जाट और उनकी टीम का बेहतर सामंजस्य रहा। इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए एटीएस और एजीटीएफ के अधिकारियों की एक विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने तकनीकी और जमीनी सूचनाओं को विकसित करते हुए पाया कि सलमान और शंकर राम नामक दो व्यक्ति एक



पुलिस ने करीब पांच किलोग्राम वजन की मेटाफेटामाइन ड्रग्स जब्त की।

ईंको गाड़ी में सरहद पार से लाया गया नशीला पदार्थ लेकर सप्लाई करने जा रहे हैं।

एटीजी दिनेश एम.एन. ने बताया कि इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी एटीएस ज्ञानचंद यादव और एसपी बाड़मेर चुनाराम जाट के नेतृत्व में एटीएस जोधपुर के इंस्पेक्टर मूल सिंह भाटी, गुजरात

एटीएस के इंस्पेक्टर डीडी रणैवर और बाड़मेर सदर एसएचओ ओमप्रकाश और उनकी टीम ने लोर्टी हाईट, आदर्श उण्डखा एनएच-68 पर नाकेबंदी की। नाकेबंदी के दौरान बाड़मेर की तरफ से आ रही संदिग्ध ईंको गाड़ी को रुकवाकर तलाशी ली गई, तो गाड़ी में बैठे आरोपियों के पास से 5 थैलियों में भरा 4.980

किलोग्राम अवैध मेटाफेटामाइन बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सलमान पुत्र लाला खां और शंकरराम पुत्र रमेशराम मेघवाल निवासी सजन का पार, रामसर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी सलमान ने खुलासा किया कि उसने यह माल पाकिस्तान के थारपारकर जिले के निवासी मसात नामक व्यक्ति से

■ **पूछताछ में आरोपी सलमान ने खुलासा किया कि उसने यह माल पाकिस्तान के थारपारकर जिले के निवासी मसात नामक व्यक्ति से अंतरराष्ट्रीय सीमा पर प्राप्त किया था**

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर प्राप्त किया था। आरोपी के मोबाइल की जांच करने पर पाकिस्तानी नंबरों से व्हाट्सएप चैट और नशीले पदार्थ की प्राप्ति के रूप में भेजे गए वीडियो भी मिले हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त वाहन और मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वर्तमान में एसपी बाड़मेर चुनाराम जाट और एटीएस एसपी ज्ञानचंद यादव के नेतृत्व में खुफिया एजेंसियां पकड़े गए संदिग्धों से संयुक्त पूछताछ कर रही हैं।

बोर्ड पूरक परीक्षाओं के आवेदन 15 से शुरू होंगे

अजमेर, (कांस)। राज. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2026 की पूरक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि कक्षा 10वीं और 12वीं की सैद्धांतिक पूरक परीक्षाएं 14 मई से 16 मई तक आयोजित की जाएंगी, जबकि प्रायोगिक परीक्षाएं 7 मई से निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शुरू होंगी। पूरक परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया 15 अप्रैल से 22 अप्रैल तक निर्धारित की गई है, जिसमें नियमित और स्वयंपाठी दोनों प्रकार के परीक्षार्थी आवेदन कर सकते। इसके बाद 23 से 27 अप्रैल तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। वहीं, 28 अप्रैल से परीक्षा प्रारंभ होने तक असाधारण विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने का अवसर मिलेगा। बोर्ड ने सभी अभ्यर्थियों से समय सीमा का पालन करते हुए आवेदन करने की अपील की है।

होटलों से घरेलू सिलेंडर जब्त

श्रीगंगानगर, (निर्स)। जिले के करणपुर में रसद विभाग की टीम ने घरेलू सिलेंडर यूज करने पर कई होटलों पर कार्रवाई की। टीम ने अवैध रूप से यूज हो रहे घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। जिसके बाद आस-पास की होटलों में हड़कंप मच गया प्रवर्तन अधिकारी अमित चौधरी ने बताया कि राधे लाइट हाउस से 1 सिलेंडर, पंजाबी दाबा से 2 सिलेंडर और होटल आशीष से 1 सिलेंडर जब्त किया गया। कुल 4 सिलेंडर श्रीकरणपुर गैस सर्विस को सौंप दिए गए हैं।

श्रीगंगानगर, (निर्स)। जिले के करणपुर में रसद विभाग की टीम ने घरेलू सिलेंडर यूज करने पर कई होटलों पर कार्रवाई की। टीम ने अवैध रूप से यूज हो रहे घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। जिसके बाद आस-पास की होटलों में हड़कंप मच गया प्रवर्तन अधिकारी अमित चौधरी ने बताया कि राधे लाइट हाउस से 1 सिलेंडर, पंजाबी दाबा से 2 सिलेंडर और होटल आशीष से 1 सिलेंडर जब्त किया गया। कुल 4 सिलेंडर श्रीकरणपुर गैस सर्विस को सौंप दिए गए हैं।

बीकानेर के अलावा श्रीद्वारगढ़ और लूणकरनसर सहित आसपास के इलाकों में भी बारिश हुई। इन क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज बारिश दर्ज की गई, जिससे तापमान में गिरावट महसूस की गई और मौसम ठंडा हो गया। रबी फसलों की कटाई का दौर जारी है, ऐसे में बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर गेहूँ की फसल जिन खेतों में अब तक नहीं कटी है, वहां नुकसान की आशंका बढ़ गई है। खड़ी फसल के खराब होने का खतरा मंडरा रहा है, जिससे किसान तनाव में हैं। मौसम में बदलाव को मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ माना जा रहा है। अप्रैल के पहले सप्ताह में भी दो बार इसके असर से बारिश हुई थी। मौसम विभाग के अनुसार आगले कुछ दिनों में भी बादल छाए रहने और रिमझिम बारिश का दौर जारी रह सकता है।

अलवर : बेरोजगारी भत्ते में घोटाला, 10 युवाओं से 5.19 लाख की वसूली होगी

अलवर, (निर्स)। अलवर में मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत बेरोजगारी भत्ता लेने में लाखों रुपए का फर्जीवाड़ा किया गया। जिला रोजगार कार्यालय की जांच में 10 आशार्थियों ने गलत जानकारी और दस्तावेजों में हेरफेर कर भत्ता ले लिया। इन 10 आशार्थियों से कई आवेदकों ने अपनी एसएसओ आईडी से ‘जांब सीकर प्रोफाइल’ में बदलाव किए, जरूरी दस्तावेज हटा दिए और कुछ मामलों में नाम, पता व मोबाइल नंबर तक बदल दिए।

रोजगार अधिकारी हरीश नेतववाल ने बताया कि अभी 58 में से

■ **जिला रोजगार कार्यालय की जांच में सामने आया कि 10 आशार्थियों ने गलत जानकारी और दस्तावेजों में हेरफेर कर भत्ता ले लिया**

10 नाम सामने आए हैं। अभी जांच चल रही है, यह संख्या बढ़ भी सकती है। इसकी जांच की जा रही है। इन आशार्थियों ने वर्ष 2024 में फॉर्म अप्लाई किया था।

पुरुष को 40000 रुपए और महिला को 4500 रुपए बेरोजगारी भत्ता मिलता है। कार्यालय ने 17 मार्च 2026 को आरोपियों के पते पर नोटिस भेजे, लेकिन ज्यादातर मामलों में डाक विभाग ने प्राप्तकर्ता नहीं रहता या कोई

व्यक्ति नहीं मिला लिखकर लैटर लौटा दिए। इसके फर्जी पते का इस्तेमाल सामने आया। इसके बाद विभाग के कर्मचारी भीतक सत्यापन करने पहुंचे, लेकिन दिया गया पता फर्जी मिला। जब विभाग ने भारतीय स्टेट बैंक आर्य नगर शाखा पर पहुंचकर बैंक डिटेल और एडेस का मिलान किया तो कई आवेदकों का वास्तविक निवास अलवर के बजाय दौसा जिले में पाया गया। वहीं कई का अलग-अलग जगह मिला। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ आरोपियों ने 19 और 21 मार्च को एसएसओ आईडी के जरिए प्रोफाइल में बदलाव कर दस्तावेज हटा दिए, जो योजना के नियमों के खिलाफ हैं। अब जिला रोजगार अधिकारी तमन्ना सिंह ने सभी दस्तावेज पुलिस को सौंप दिए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

डोडा-एमडी के साथ युवक को पकड़ा

नापासर, (निर्स)। पुलिस ने मंगलवार अलसुबह नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक युवक को मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने भारतमाला सड़क स्थित बुशिया के नीचे होटल के पास दबिश देकर आरोपी राज्राम चौधरी (32) निवासी लिखमोदेसर, थाना शेरुना को पकड़ा।

नापासर थानाधिकारी सुधमा शेखावत ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाशी ली गई। उसके कब्जे से 4 किलो 300 ग्राम डोडा, जिसमें 2 किलो 600 ग्राम डोडा छिलका और 1 किलो 700 ग्राम डोडा-चूरा शामिल था। साथ ही 1 ग्राम एमडी भी बरामद की गई। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज करने में लगे हैं। थानाधिकारी सुधमा शेखावत ने कहा कि क्षेत्र में नशे के कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लारेंस गैंग ने पांच करोड़ की फिरौती मांगी, दो जने गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निर्स)। शहर के एक बड़े कांग्रेस नेता तथा उनकी पत्नी से लारेंस बिश्नोई गैंग ने पांच करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। इस मामले में रैकी करने वाले यूपी के जालौन जिले के उरई गांव व हाल नोएडा के सदरपुर सेक्टर 45 में किराए पर रह रहे 20 वर्षीय संजीव गौतम उर्फ तुषार जाटव पुत्र बृजकिशोर को गिरफ्तार किया गया है। कोतवाल पृथ्वीपालसिंह भाटी ने आरोपी को 6 अप्रैल को अदालत में पेशकर चार दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपी को मीरा चौक चौकी प्रभारी नरेशकुमार, हैड कांस्टेबल हरदेवसिंह, रीडर विरेंद्र गोदारा व दलीप कुमार को टीम ने नोएडा स्थित घर से हिरासत में लेकर लाए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने

■ **श्रीगंगानगर शहर के एक बड़े कांग्रेस नेता तथा उनकी पत्नी से लारेंस बिश्नोई गैंग ने फिरौती मांगी थी**

दिसंबर 2025 में पीडित कांग्रेसी नेता तथा उनकी पत्नी की शहर में रैकी की थी। उनके होटल, ज्वेलरी शोरूम तथा घर आदि प्रविष्टानों की वीडियो व फोटोग्राफी की तथा फायरिंग के लिए एक्सरसाइज भी की थी, लेकिन आरोपियों को फायरिंग के लिए हथियार उपलब्ध नहीं हो पाए थे। लिहाजा यहां आए सभी शूटर बिना एक्शन लिए ही वापस लौट गए थे। आरोपी एक सप्ताह

बीएसएफ जवान की पत्नी ने खुदकुशी की

जोधपुर, (कांस)। शहर के मंडोर एरिया में स्थित बीएसएफ फैंमेली क्वार्टर में रहने वाले बीएसएफ जवान की पत्नी ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय बच्चे स्कूल गए हुए थे। शाम को वापिस लौटे तब मां फंदे पर लटक मिली। उनके चिल्लाने पर पड़ोसी मौके पर पहुंचे तथा शव को नीचे उतारा। पति बॉर्डर पर तैनात है। उसके आने पर शव का पोस्टमार्टम करा व परिजन को सुपुर्द किया गया। बताया जाता है कि मृतका का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। उसके भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी

■ **मृतका के भाई ने मर्ग में रिपोर्ट दी और बताया कि उसकी बहन का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था**

गई है। मंडोर थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि बाड़मेर गिड़ा स्थित होलीनी निवासी रमेश कुमार चौधरी बीएसएफ में जवान है। उसकी ड्यूटी बॉर्डर पर है। वह अपनी फैमेली के साथ यहां

महिला से छेड़छाड़ के बाद दो गुटों में पथराव

बीकानेर, (निर्स)। महिला से छेड़छाड़ को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने जमकर पथराव किया। एक पक्ष का आरोप है कि मोहल्ले में कुछ युवक महिला से छेड़छाड़ कर रहे थे। विरोध करने पर मारपीट करने पर उताव हो गए। आरोपियों के साथी सरिया और लाठी लेकर आ गए। विवाद बढ़ने पर दूसरे पक्ष के लोग भी लाठी-डंडा लेकर पहुंचे गए। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए और पथराव शुरू का दिया। सूचना पर पुलिस पहुंची तो दोनों गुट के लोग फरार हो गए। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे भाजपा नेता और पुलिस के बीच नोकझोंक हो गई। बड़ी संख्या में लोगों ने थाने पर पहुंचकर मामला दर्ज करवाया।

लोगों का आरोप है कि कुछ युवक मोहल्ले की महिलाओं और युवतियों पर कमेंट करते हैं। सोमवार रात को महिला से छेड़छाड़ कर रहे थे। घटना नयाशहर

थाना क्षेत्र के चौखुंटी इलाके की देर रात करीब 10 बजे की है। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि बड़ी संख्या में लोग मोहल्ले से लाठियां लेकर दौड़ते हुए आ रहे हैं। देखते ही देखते दूसरे पक्ष के लोग भी लाठियां लेकर आ जाते हैं। कुछ देर तक दोनों पक्ष आमने-सामने रहे और झड़प करने पर मारपीट करने पर उताव नहीं है। घटना की जानकारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी और भाजपा नेता वेद व्यास मौके पर पहुंचे। इस दौरान वेद व्यास और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। भाजपा नेता विजय उपाध्याय भी देर रात तक मौके पर मौजूद रहे।

एसएचओ रोहित चौधरी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पूरे क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया। हालात को काबू में करने के लिए रातभर पुलिस बल तैनात रहा। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। उपद्रव करने वाले युवकों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। रात में हुए हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को

लेकर लोगों में आक्रोश था, जिन्हें कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया गया।

आरोप है कि कुछ युवक छेड़छाड़ कर रहे थे। इसका विरोध करने पर वे मारपीट पर उतारू हो गए। इसके बाद दोनों पक्षों के लोग एकत्र हो गए और पथराव शुरू कर दिया। घटना में किसी के भी चोटिल होने की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी और भाजपा नेता वेद व्यास मौके पर पहुंचे। इस दौरान वेद व्यास और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। भाजपा नेता विजय उपाध्याय भी देर रात तक मौके पर मौजूद रहे।

एसएचओ रोहित चौधरी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में लोग नया शहर थाने पहुंचे। इस संबंध में परिवाद भी दिया गया है।

उदयपुर : अंबेरी में पहाड़ी पर आग लगी

उदयपुर, (कांस)। उदयपुर-पिंडवाड़ा नेशनल हाइवे पर बीती रात को पहाड़ी पर आग लग गई। सूचना पर उदयपुर फायर स्टेशन से दमकल भी मौके पर पहुंची, लेकिन आग अत्यधिक ऊंचाई पर होने से ज्यादा मदद नहीं मिल पाई। रात करीब नौ बजे शहर के अंबेरी से गोगुंदा राहने वाले इस हाइवे पर अंबेरी पुलिसा से थोडा आगे पहाड़ भभक रहा था।

सूचना सबसे पहले फायर स्टेशन

को मिली। वैसे पहाड़ी पर आबादी नहीं होने से वहां पहुंची टीमों ने राहत ली। तेज हवा की वजह से आग की लपटें तेजी से आगे बढ़ती गईं।

जब दमकल मौके पर पहुंची तो देखा गया कि पहाड़ी के ऊंचाई पर आग पहुंच गई, जिससे दमकल का पहुंचना मुश्किल था। नीचे वाले इलाके में दमकल ने आग बुझाई और उसके बाद भी एहतियात के तौर पर वहीं खड़ी की गई। रात करीब दो बजे

बाद आग बंद हुई और उसके बाद टीमें रवाना हुईं। वैसे आग से सूखी घास को नुकसान पहुंचा। हाइवे से गुजरते लोगों ने अपनी गाड़ियां रोक कर रात को इस आग को देखा और सबने अपने स्तर पर फोन कर सूचना दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबुलाल चौधरी ने बताया कि हमारे यहां हांसे गाड़ी मौके पर पहुंची और वहीं खड़ी कर दी गई। उन्होंने बताया कि आग ऊंचाई पर ज्यादा थी।

अजमेर में बारिश से कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी

पुष्कर, सरवाड़, मसूदा सहित कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बरसात हुई

अजमेर, (कांस)। अजमेर शहर व जिलेभर में मंगलवार अलसुबह से रुक-रुक कर बारिश ने नगर निगम की

सफाई व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी। हल्की और मध्यम बारिश के बावजूद शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण जगह-जगह नालियां जाम हो गईं, जिससे पानी सड़कों पर फैल गया। कई मुख्य मार्गों और कॉलोनियों में कीचड़ जमा हो गया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में कठिनाई हुई। लोगों को पानी और कीचड़ से बचते हुए निकलना पड़ा, जिससे दैनिक जीवन भी प्रभावित हुआ। नगर निगम द्वारा समय पर नालियों की सफाई नहीं किए जाने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। हर वर्ष बारिश के मौसम में ऐसी समस्याएं सामने आती हैं, लेकिन इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है।

गोपाल बंजारा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई किसानों की फसलों को खरबे खेतों में पड़ी हुई है, ऐसे में लगातार हो रही बारिश से फसलों के खराब होने का खतरा मंडरा रहा है। यदि मौसम इसी तरह बना रहा, तो

श्रीद्वारगढ़ और लूणकरनसर सहित आसपास के इलाकों में भी बारिश हुई

बीकानेर, (निर्स)। मौसम विभाग का मंगलवार को येलो अलर्ट जारी है। सोमवार देर रात से बादलों आवाजाही के बाद मंगलवार तड़के करीब चार बजे से बूंदबांदी का दौर शुरू हुआ, जो सुबह दस बजे तक रुक-रुक कर जारी रहा। इस दौरान एक बार तेज बारिश भी दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। बच्चों को स्कूल जाने के लिए रेनकोट पहनना पड़ा।

बीकानेर के अलावा श्रीद्वारगढ़ और लूणकरनसर सहित आसपास के इलाकों में भी बारिश हुई। इन क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज बारिश दर्ज की गई, जिससे तापमान में गिरावट महसूस की गई और मौसम ठंडा हो गया। रबी फसलों की कटाई का दौर जारी है, ऐसे में बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर गेहूँ की फसल जिन खेतों में अब तक नहीं कटी है, वहां नुकसान की आशंका बढ़ गई है। खड़ी फसल के खराब होने का खतरा मंडरा रहा है, जिससे किसान तनाव में हैं। मौसम में बदलाव को मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ माना जा रहा है। अप्रैल के पहले सप्ताह में भी दो बार इसके असर से बारिश हुई थी। मौसम विभाग के अनुसार आगले कुछ दिनों में भी बादल छाए रहने और रिमझिम बारिश का दौर जारी रह सकता है।

नोखा संवाददाता के अनुसार :- उपखंड मुख्यालय और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में घने बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। सड़कों पर जगह-जगह पानी जमा हो गया। रिमझिम बारिश का यह दौर सुबह करीब 10:30 बजे तक जारी रहा, जिसके बाद किसानों ने गिरावट महसूस की गई और मौसम ठंडा हो गया। रबी फसलों की कटाई का दौर जारी है, ऐसे में बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर गेहूँ की फसल जिन खेतों में अब तक नहीं कटी है, वहां नुकसान की आशंका बढ़ गई है। खड़ी फसल के खराब होने का खतरा मंडरा रहा है, जिससे किसान तनाव में हैं। मौसम में बदलाव को मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ माना जा रहा है। अप्रैल के पहले सप्ताह में भी दो बार इसके असर से बारिश हुई थी। मौसम विभाग के अनुसार आगले कुछ दिनों में भी बादल छाए रहने और रिमझिम बारिश का दौर जारी रह सकता है।

बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ाई



बारिश के चलते खेतों में खड़ी और कटी फसलें प्रभावित हो रही है।

पावटा, (निर्स)। क्षेत्र में इन दिनों हो रही बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। तेज हवाओं और बारिश के चलते खेतों में खड़ी और कटी फसलें प्रभावित हो रही हैं, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार, कई इलाकों में अचानक बदले मौसम ने गेहूँ, जौ, चना सहित अन्य रबी फसलों को भारी

नुकसान पहुंचाया है। जहां एक ओर खड़ी फसलें तेज हवाओं से गिर रही हैं। वहीं कटी हुई फसलें बारिश में भीगकर खराब हो रही हैं। इससे उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कटाई के इस महत्वपूर्ण समय पर खराब मौसम किसानों के लिए बड़ी चिंता बन गई है। किसानों का कहना है कि अगर मौसम इसी तरह बना रहा तो

भजनलाल के नेतृत्व में राजस्थान का कृषि रोड मैप तैयार- शिवराज सिंह चौहान

बाजरा, सरसों, इसबगोल में हम देश में प्रथम स्थान पर, अब प्रोसेसिंग पर जोर देंगे- मुख्यमंत्री

जयपुर, 7 अप्रैल। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राजस्थान में कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में कृषि का रोडमैप तैयार किया गया है। चौहान ने अन्य राज्यों को भी इस नवाचार का अनुसरण करने का संदेश दिया।

चौहान मंगलवार को जयपुर में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय सम्मेलन के

■ **केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि पहला क्षेत्रीय सम्मेलन राजस्थान में हो रहा है। इसमें कृषि क्षेत्र की आवश्यकताओं, चुनौतियों व संभावनाओं को समझने का एक मंच मिलेगा और कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।**



केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गोवा तथा राजस्थान राज्य शामिल हैं तथा इस सम्मेलन में कृषि क्षेत्र की आवश्यकताओं, चुनौतियों और संभावनाओं को समझने का एक मंच मिलेगा। साथ ही, सम्मेलन से राज्यों के बीच आपसी समन्वय व नवाचारों को भी साझा कर कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि प्रदेश को कृषि निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में मई माह में 'लोकल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026' का

आयोजन किया जाएगा। इसमें देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और तकनीकी जानकारों को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने केन्द्र कृषि मंत्री तथा कृषि से जुड़े अन्य गणमान्य विशेषज्ञों को इस सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। शर्मा ने पश्चिम क्षेत्रीय सम्मेलन का प्रथम आयोजन राजस्थान में करने के लिए कृषि मंत्रों को धन्यवाद दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस सम्मेलन में कृषि विकास के लिए जो वैचारिक मंथन होगा, वह कृषि के भविष्य को नई दिशा देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कृषि

बजट में 34 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए वर्ष 2026-27 के लिए 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान आज बाजरा, सरसों और इसबगोल जैसे उत्पादों में देश में प्रथम स्थान पर है, जिसे अब प्रोसेसिंग युनिट्स के जरिए और अधिक लाभकारी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को अब पारंपरिक तरीकों के स्थान पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिससे कृषि, नौकरी और व्यापार से भी अधिक लाभकारी बन सके।

असम में भूकंप के झटके

गुवाहाटी, 07 अप्रैल। असम में मंगलवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का झटका दोपहर 02 बजकर 18 मिनट 31 सेकेंड पर महसूस किया गया।

भारतीय सिस्मोलॉजी केन्द्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.8 मापी गई। इसका केन्द्र असम के हैलाकांदी जिले में जमीन के अंदर करीब 5 किलोमीटर की गहराई में स्थित

■ **फिलहाल जान-माल की हानि की सूचना नहीं।**

था। भूकंप का एपिसेंटर 24.823 उत्तरी अक्षांश और 92.634 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया।

झटके महसूस होते ही लोग

घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

प्रशासन स्थिति पर नजर बनाया हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

लगातार तीसरे दिन श्रीगंगानगर में पाकिस्तान से आई हेरोइन पकड़ी

■ **पकड़ी गई दो किलो 340 ग्राम हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 12 करोड़ रूपए बताई जाती है।**

कार्रवाई में थाने से एसएसआई जंगेश खान, कांस्टेबल लोकेश मीणा, विनोद व चालक जोगिंदर सिंह तथा बीएसएफ के एसआई अतुल शर्मा व हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार सहित, अन्य जवान भी शामिल थे।

बीएसएफ की 118वीं बटालियन के कमांडेंट पीएस राठौड़ व अन्य अधिकारियों ने मौका देखा। बीएसएफ की 163वीं बटालियन के तीन एफसी बीओपी के रात्रिकालीन ड्यूटी स्टाफ ने रात 2 से 3 बजे के बीच एक एफसी की रोही में ड्रोन की एक्टिविटी को देखा। इसकी सूचना बीओपी अधिकारियों और फिर उच्चाधिकारियों को दी गई।

बीएसएफ के जवानों ने एरिया को सील करने को गाड़ियां दौड़ाईं, जिस ओर से ड्रोन वापस पाकिस्तान की ओर लौटा, उस एरिया में सर्च शुरू किया। बीएसएफ के जवानों ने दो अज्ञात आरोपियों को दूर से देखकर ललकारा। इससे आरोपी अपना सामान मौके पर ही छोड़कर भागे और अंधेरे में गायब हो गए। लेकिन उनके मौके पर मिले बैग से तीन पैकेट हेरोइन, लोअर, स्वेटर, कंबल व दो जोड़ी जूते बरामद किए गए हैं। दोनों संदिग्ध युवकों के बारे में बीएसएफ और पुलिस को अहम सुरांग हाथ लगा है।

मौके पर मिले कपड़ों में राजस्थान रोडवेज की दो टिकटें मिली हैं। इनमें 24 मार्च की टिकट 78 एनपी से अनूपगढ़ तक की, 30 मार्च की टिकटें समेजा कोटी से अनूपगढ़ तक की हैं। इससे यह आशंका है कि हेरोइन के इन पैकेट को उठाने आए युक्त 78 एनपी या आसपास के एरिया के हो सकते हैं, इसीलिए जांच समेजा कोटी एसएचओ को दी गई है।

‘अगले 48 घंटे घर पर ही रहें’

भारत सरकार ने ईरान में रह रहे भारतीयों के लिए एडवाइज़री जारी की

■ **दूतावास ने लोगों को सुरक्षित इमारतों में रहने तथा जरूरी दवाएं व सामान साथ रखकर का निर्देश दिया है।**

आधिकारिक अपडेट्स पर बारीकी से नजर रखें, क्योंकि आपातकालीन हेल्पलाइन अंकों की चालू है। बरीरान में अमेरिकी दूतावास ने अमेरिकियों को शेल्टर इन प्लेस (सुरक्षित जगह पर रहने) की सलाह दी है, क्योंकि वह मध्य-पूर्व में हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है। दूतावास ने अमेरिकी सरकार के सभी कर्मचारियों को घर के अंदर

रहने का निर्देश दिया है और नागरिकों को भी अगली सूचना तक ऐसा ही करने की सलाह दी है। दूतावास ने लोगों से सुरक्षित इमारतों में रहने, खिड़कियों से दूर रहने और भोजन, पानी और दवाइयों जैसी जरूरी चीजें अपने पास रखने का आग्रह किया है। साथ ही, दूतावास ने अपनी सभी नियमित कांसुलर सेवाओं को निलंबित करने की घोषणा की है और

नागरिकों से अपडेट के लिए अपने ईमेल चेक करते रहने को कहा है। कतर ने मंगलवार को चेतावनी दी कि वह क्षेत्र एक ऐसे मोड़ के करीब है, जहां स्थिति "नियंत्रण से बाहर हो सकती है।" अमेरिकी मीडिया के पूछे जाने पर, कि क्या कतर को लगता है कि अमेरिका की तय समय सीमा से पहले इस युद्ध को शांत किया जा सकता है, कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजेद अल-अंसारी ने कहा: "हम सभी पक्षों से लगातार आग्रह कर रहे हैं कि वे इस युद्ध का कोई समाधान निकालें, इससे पहले कि स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाए।"

पवन खेड़ा के घर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के निजामुद्दीन इस्ट स्थित घर पहुंची। ज्ञातव्य है कि कुछ दिन पूर्व ही, उन्होंने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी के पास तीन पासपोर्ट हैं और विदेशी संपत्तियां हैं। कांग्रेस के मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा असम पुलिस के आने के समय पर मौजूद नहीं थे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेता हैदराबाद में हैं।

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, "खेड़ा सोमवार को गुवाहाटी से भाग गए। मुझे मीडिया के जरिए पता चला कि पुलिस उनके दिल्ली स्थित निवास पर गई है, लेकिन वे हैदराबाद चले गए हैं। कानून अपना काम करेगा।"

पुलिस टीम कांग्रेस नेता के घर से दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर बाद चली गई। घर की तलाशी के बाद असम पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, "हमें पवन खेड़ा नहीं मिले। घर की तलाशी ली गई। कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए।" इस कार्रवाई का कारण

यह रहा कि खेड़ा ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयाँ सरमा, के पास तीन पासपोर्ट हैं और परिवार के संयुक्त राज्य अमेरिका में 52,000 करोड़ रुपये के व्यापारिक हित हैं। तलाशी की कार्रवाई उस एफआईआर के बाद हुई, जो सरमा की पत्नी ने सोमवार को दर्ज कराई थी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने उनकी पत्नी पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए, तुरंत धमकी एवं अपमान भरे लहजे में कहा था, "पवन खेड़ा, पवन पेड़ा बन जाएगा" (जिसमें कोई मिठास नहीं है)।

युद्ध समाप्ति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) 9. ईरान होर्मुज्ज के माध्यम से सुरक्षित मार्ग के लिए नियम बनाएगा।

10. ईरान होर्मुज्ज शल्क का उपयोग युद्ध की क्षतिपूर्ति के बजाय, पुनर्निर्माण के लिए करेगा।

जिस देश का इतिहास कुछ ढाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) मितने को तैयार है। ईरान के प्रतिरोध का संकेत देते हुए, एक प्रसिद्ध ईरानी संगीतकार पहले ही एक खूबसूरत ईरानी कालीन पर बैठा है, पीछे बिजली संयंत्र दिखाई दे रहा है, और वह अपने पारंपरिक ईरानी वाद्य यंत्र को बजा रहा है।

अभी कुछ ही महीने पहले, पूरा देश अपने तानाशाही शासकों के खिलाफ खड़ा हुआ था। अब वही देश मजबूत राष्ट्रीवादी भावना के साथ, अपने राष्ट्रीय अस्तित्व को खातिर एकजुट हो रहा है। दूँप की नीतियों ने विरोध कर रहे देश को मजबूत राष्ट्रवादी बना दिया है।

अपने दम्भ के स्वर में, दूँप ने कहा कि पूरे देश को एक रात की बमबारी में ध्वस्त करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। उन्होंने देश के सभी बिजली संयंत्रों और नागरिक सुविधाओं, जैसे घनों और सड़कों को नष्ट करने की धमकी दी। सभी विशेषज्ञों और कूटनीतिज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसे कार्य, वर्तमान युद्ध कानून के तहत, युद्ध अपराध माने

जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति की ईरान के खिलाफ कड़ी भाषा यह भी दर्शाती है कि वे ईरान पर निर्णायक विजय प्राप्त न होने की हताशा से पीड़ित हैं। उनका युद्ध, जिसके शुरू में केवल एक सप्ताह में समाप्त होने की उम्मीद थी, अब दूसरे महीने में प्रवेश कर गया है और अमेरिका को कोई स्पष्ट जीत नहीं मिली है।

रियल एस्टेट और निर्माण उद्योग पृष्ठभूमि वाले वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी अनूठी भाषा में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि क्रान्तिकारी रूप से कुछ अद्भुत भी हो सकता है। संभवतः उनके पास ऐसा समय भी नहीं था कि वे ग्रे की "एलेजी" जैसी भावपूर्ण कविता को पढ़ पाते।

ट्रंप ईरान के तेल द्वीप खार्ग पर बमबारी पहले ही कर चुके हैं, जो देश के 90 प्रतिशत तेल निर्यात को संभालता है। अमेरिकी सैनिकों ने उसी द्वीप पर ईरानी सैन्य गोदामों और टर्मिनलों को भी निशाना बनाया। इसके जवाब में,

ईरान ने अमेरिकी क्षेत्रीय सहयोगियों पर और हमले करने की धमकी दी है।

वर्तमान युद्ध में ये देश काफी नुकसान झेल चुके हैं। उन्होंने शिकायत की, लेकिन ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों की बारिश के सामने कुछ नहीं कर पाए।

अब युद्ध एक खतरनाक मोड़ ले रहा है, जहां नागरिक सुविधाओं और आम नागरिकों को भी निशाना बनाया जाना है। दोनों पक्ष यह भी कह रहे हैं कि वे जल शोधन संयंत्रों को भी निशाना बनाएंगे। खाड़ी और पश्चिम एशिया के शुष्क क्षेत्रों में पीने के पानी के स्रोत सीमित हैं और जल शोधन संयंत्र वहां की आबादी की जल आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

इसके अलावा, तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। इन क्षेत्रों में बिना एयर-कंडीशनिंग के जीवन लगभग असंभव होगा। यदि युद्ध इन सुविधाओं को अंधाधुंध नष्ट करता है, तो यहां से भारी पलायन की संभावना है।

एयर इंडिया के सीईओ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) बाद इस पद को संभाला और अपना पांच वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने से पहले इस्तीफा दे दिया। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने बेड़े के आधुनिकीकरण, सेवा मानकों में सुधार और संचालन एकीकरण को प्रोत्साहित किए, उनमें उन्हें कई बाधाओं का सामना करना पड़ा, जिनमें स्पलाई चैन में व्यवधान, विमान डिलीवरी में देरी और बढ़ती लागत शामिल हैं।

रुस और चीन खुलकर ...

एयर लाइन ने कहा, "विल्सन ने 2024 में एयर इंडिया के अध्यक्ष पुर. चंद्रशेखरन को रोक दिया गया। शुरूआत में प्रस्ताव में अनुच्छेद 7 शामिल था। इससे सदस्य देशों को होर्मुज्ज जलडमरूमध्य खोलने के लिए बल प्रयोग की अनुमति मिल सकती थी। रूस और चीन इसका विरोध कर रहे थे। इसी वजह से लंबे समय तक बातचीत चली। प्रस्ताव की भाषा बदली गई। अंत में जो प्रस्ताव लाया गया, उसमें केवल देशों से

रक्षात्मक तरीके से सहयोग करने की बात कही गई। बल प्रयोग की बात हटा दी गई थी। बहरिन को उम्मीद थी कि रूस और चीन कम से कम मतदान से दूरी बनाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सुरक्षा परिषद इस मुद्दे पर बंटी हुई नजर आई। रूस और चीन ने वीटो कर साफ कर दिया कि वे ईरान के साथ खड़े हैं। दोनों देशों का कहना है कि प्रस्ताव में ईरान की बहुत कड़ी आलोचना की गई थी।

पश्चिम एशिया वॉर बढ़ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) एक वीडियो संदेश में, रहिमी ने युवाओं, विप्लवविद्यार्थियों समुदायों और सांस्कृतिक हस्तियों को स्थानीय समयानुसार मंगलवार दोपहर 2 बजे बिजली संयंत्रों के पास एकत्र होने का आग्रह किया। उन्होंने इन सुविधाओं को "हमारी संपत्ति" कहा और लोगों से, नज़र में आने वाली, नागरिक उपस्थिति के माध्यम से, उनकी सुरक्षा करने का आग्रह किया।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए, रहिमी ने कहा कि सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किसी भी हमले को युद्ध अपराध माना जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिक एकजुट होकर स्पष्ट संदेश देंगे कि नागरिक जीवन और आवश्यक सेवाओं को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

ईरान के प्रतिनिधियों ने संयुक्त राष्ट्र में भी चिंता जताई, अमेरिकी चेतावनियों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और जन-जीवन पर हमलों को प्रोत्साहित करने वाला बताया। ट्रंप ने ईरान के लिए "रात 8 बजे की समय सीमा" निर्धारित की है। उन्होंने संकेत दिया कि अगर तेहरान अनुकूल प्रतिक्रिया नहीं देता, तो अमेरिकी सेनाएं सीमित समय में बिजली संयंत्रों और

पुलों पर समन्वित हमले कर सकती है। वाइट हाउस में बोलते हुए, ट्रंप ने कहा कि यह अभियान मुख्य बुनियादी ढांचे को अनुपयोगी बना सकता है। उन्होंने कहा कि स्थिति संकटपूर्ण अवधि में है और ईरान को समझौता करने के लिए अतिरिक्त समय पहले ही दिया जा चुका है।

उन्होंने चेतावनी दी, "पूरा देश एक रात में तबाह हो सकता है तथा समय सीमा एक टर्मिंग पॉइंट का रूप ले सकती है। ट्रंप ने कहा, "यह एक संकटपूर्ण अवधि है... उन्होंने सात दिनों की वृद्धि मांगी; मैंने उन्हें 10 दिन दिए। अब उनका समय कल तक है। अब देखेंगे, क्या होता है... बहुत लोग इससे प्रभावित हैं।

हम उन्हें कल, पूर्वी समयानुसार 8 बजे तक का समय दे रहे हैं। उसके बाद उनके पास कोई पुल नहीं होगा। उनके पास कोई बिजली संयंत्र नहीं होगा। वे पाषाण काल में होंगे। इसी बीच, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रांसी ने चिंता व्यक्त की, जब प्रक्षेपास्त्र कथित रूप से बुराहर परमाणु ठिकाने के पास गिरा। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को कभी भी सैन्य लक्ष्य

नहीं बनाना चाहिए। पश्चिमी मीडिया ईरानी जनता का मनोबल तोड़ने के लिए लगातार काम कर रहा है। यह मीडिया ऐसी न्यूज़ रिपोर्ट दे रहा है, जिससे जवाबी हमले का सार्वजनिक संकेत प्रभावित हो सकता है। "ए टाइम्स यूके" में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, नव नियुक्त सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई क्रोम शहर में चिकित्सा उपचार ले रहे हैं और गंभीर स्थिति में हैं।

रिपोर्ट, जिसे अमेरिकी और इज़राइल द्वारा खाड़ी देशों को साझा किए गए खुफिया इनपुट पर आधारित बताया गया है, दावा करती है कि खामेनेई इस समय बेहोश हैं और किसी राजकीय निर्णय में भाग लेने में असमर्थ हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यह पहली बार है कि उनकी सटीक स्थिति सार्वजनिक रूप से इतनी विस्तार से जानकारी में आई है।

समीक्षा किए गए मेमो के अनुसार, खामेनेई "सौरियस मैडिकल कन्डीशन" के इलाज में हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिमी एशिया में तनाव बढ़ने के बाद से वे सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाई दिए हैं, और ईरान के सरकारी मीडिया ने उनके कथित बयान ही प्रसारित किए हैं।

29 अप्रैल के बाद दिल्ली सहित 22 राज्यों में एसआईआर का अंतिम चरण शुरू होगा

चुनाव आयोग ने कहा हालिया विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद यह कवायद शुरू होगी

नई दिल्ली, 08 अप्रैल। चुनाव आयोग इस महीने आसन्न पांच विधानसभा चुनावों के बाद दिल्ली सहित, शेष 22 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में मतदाताओं की सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का तीसरा और अंतिम चरण शुरू कर सकता है।

एसआईआर चुनाव समाप्त होने के बाद 29 अप्रैल को शुरू हो सकती है। एक और संभावना यह है कि परिणामों की घोषणा के बाद इस विशाल कार्य को शुरू किया जाए। अब तक एसआईआर 10 राज्यों और तीन केन्द्र शासित प्रदेशों में किया गया है। असम में चुनावी रिजल्टों का विशेष संशोधन किया गया। इन मतदाता सूची की छंटनी में लगभग 99 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ को शामिल किया गया है। बचे हुए 39

■ **चुनाव आयोग ने इन राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को इस बारे में पत्र लिखा है।**

करोड़ मतदाताओं को 17 राज्यों व पांच केन्द्र शासित प्रदेशों में प्रस्तावित कार्य में शामिल किया जाएगा। इस महीने केरलम, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और बंगाल में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और मतगणना 4 मई को होगी। अधिकारियों ने कहा कि 19 फरवरी को चुनाव आयोग ने दिल्ली सहित 22 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से एसआईआर से संबंधित तैयारी का कार्य एकजुट रूप से शुरू करने के लिए कहा था, क्योंकि इसके अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है।

पान मसाला विज्ञापन को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) परिवार पेश कर अपने आप को एक्टिविस्ट बताया है और वह इस उत्पाद के उपभोक्ता भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि, जिला उपभोक्ता आयोग में 12 दिसंबर 2025 को योगेश सिंह द्वारा एक शिकायत दर्ज की गई, जिसमें कहा गया कि राजश्री पान मसाला और सलमान खान तंबाकू के प्रयोग को लेकर भ्रामक विज्ञापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजश्री द्वारा जारी एक विज्ञापन में बताया गया कि, इस तंबाकू उत्पाद में केसर का उपयोग किया गया है, लेकिन यह सच नहीं है। वरिष्ठ अधिकृत का. पी. सिंह की ओर से बताया गया कि, योगेश सिंह ने अपनी याचिका में कहा था कि राजश्री पान मसाला के उपयोग से केसर होता है, परंतु उन्होंने अपनी याचिका में जिन विज्ञापनों की बात की थी, वह पान मसाला ना होकर सिल्वर कोटेड इलायची से संबंधित थे। जिसके ब्रांड एम्बेसेडर अभिनेता सलमान खान हैं। ऐसे में जिला आयोग की ओर से विज्ञापन करने पर रोक लगाया और विज्ञापन करने वाले अभिनेता सलमान खान सहित अन्य के जमानती वॉरंट जारी करने का आदेश गलत और गैर कानूनी है। ऐसे मामलों

की सुनवाई करने का अधिकार केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को ही है। जिन्हें के दौरान उन्हीं बताया कि, जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा 6 जनवरी 2026 को दूसरी सुनवाई के दौरान विज्ञापन पर रोक लगायी गयी थी और यह आदेश कंपनी और सलमान खान का पक्ष सुने बिना ही दिए गए थे। साथ ही यह भी कहा गया था कि राजश्री पान मसाला कंपनी पर यह आदेश तब तक लागू रहेगा, जब तक कि वह अपना जवाब पेश नहीं कर देती। इसके बाद 15 जनवरी 2026 को जब कंपनी की ओर से जवाब प्रस्तुत कर दिया गया था, इसके बावजूद भी जिला उपभोक्ता आयोग ने अपने 6 जनवरी के आदेश को नहीं हटाया, उल्टा सलमान खान के हस्ताक्षरित शपथ पत्र में हस्ताक्षर मिलान करने के लिए कमिश्नर नियुक्त करने के आदेश तक दे डाले, जो कि पूरी तरह अवैध है।

अदालत को बताया गया कि जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा दिए गए अवैध आदेशों के खिलाफ राजश्री पान मसाला और सलमान खान की ओर से राज्य आयोग में अपील दायर की गई। जिस पर राज्य आयोग ने सभी कानूनी तर्कों को रिक्त कर तो लिया, लेकिन जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश पर कोई

रोक नहीं लगायी। सुनवाई के बाद राजस्थान हाईकोर्ट में दायर रिट याचिका में अदालत ने माना कि जिला उपभोक्ता मंच के पास ऐसी शिकायतें सुनने का कोई अधिकार नहीं था। जिला उपभोक्ता आयोग ने राजश्री पान मसाला और अभिनेता सलमान खान का पक्ष सुने बिना ही विज्ञापन बंद करने के आदेश दिए थे, जो कि गलत है। जब सुनवाई के दौरान कंपनी ने अभिनेता की ओर से पैरवी के लिए अधिवक्ता मौजूद थे, उसके बावजूद भी जमानती वॉरंट जारी करना और यह कह देना कि अभिनेता सलमान खान के हस्ताक्षर पैच करवाए जाएं, पूरी तरह अवैध है। ऐसे में एकलपीठ ने उपभोक्ता आयोग के तीनों आदेशों पर रोक लगा दी।

भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) आपको ऐसा करने पर मजबूर करेंगे।" उन्होंने मतदाता सूची से नाम हटाने के आरोप को भी दोहराया। उन्होंने कहा, एसआईआर आयोग के दौरान, पश्चिम बंगाल में 25.0 लोकर मरे हैं। इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है।"